समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जनवरी २०२४ • वर्ष ७५ • अंक ०१

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

८९वाँ स्थापना दिवस समारोह संपन्न

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया व सभी गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। चित्र में परिलक्षित हैं -शिव कुमार लोहिया, उद्घाटनकर्ता राधे श्याम गोयनका, सम्माननीय अतिथि पद्म भूषण डॉ. देवेंद्र राज मेहता, विशिष्ट अतिथि ईश्वरचंद अगरवाला, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, नंदलाल रूँगटा, राम अवतार पोद्दार, पद्म श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, संतोष सराफ, राजकुमार केडिया, मधुसूदन सीकरिया, कैलाशपति तोदी, महेश जालान, संजय गोयनका, पवन जालान, केदार नाथ गुप्ता, बबिता बगड़िया, भानीराम सुरेका, संजय हरलालका, गोपाल अग्रवाल, कैलाश चंद काबरा, विजय सकलेचा, सोहनराज सिंघवी, लक्ष्मीपत भूतोड़िया, श्याम सुंदर अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल।

इस अंक में

संपादकीय

- ❑ नव वर्ष का अतिरेक

आपणी बात

- ❑ सम्मेलन के बढ़ते कदम

रपट

- ❑ ८९वाँ स्थापना दिवस
- ❑ राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति
- ❑ मारवाड़ी समाज में राजनीति चेतना
- ❑ देवीलाल महिया का सम्मान

आलेख

- ❑ अपने शहर, अपने गाँव, अपनी हवेलियाँ
- ❑ स्वागत ! नवयुग के नवल वर्ष

विशेष पेज-२१

संस्कार-संस्कृति चेतना

- ❑ स्वामी विवेकानंद के स्वप्नों का भारत
- ❑ नेताजी के जीवन के प्रेरक प्रसंग
- ❑ प्रणाम का महत्व, दो बकरियाँ, ज्ञान गंगा

प्रादेशिक समाचार

- ❑ उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पूर्वोत्तर, झारखंड
- ❑ गुजरात, बिहार, उत्कल, पश्चिम बंग
- ❑ कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING | JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

समाज विकास

◆ जनवरी २०२४ ◆ वर्ष ७५ ◆ अंक १
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** ७
  नव वर्ष का अतिरेक
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ८
  सम्मेलन के बढ़ते कदम
- **रपट**
  ८९वाँ स्थापना दिवस समारोह ९-१३
  राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक १४-१५
  उपसमिति की बैठक १६
  सम्मेलन समाचार १८-२०,२५

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

प्रणाम का महत्व, ज्ञान गंगा २१
क्या है मकर संक्रांति २२
गणतंत्र दिवस, प्रेरक प्रसंग २३-२४

- **प्रादेशिक समाचार**
  पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्कल, झारखंड, कर्नाटक २६-२८
- **आलेख**
  अपने शहर, अपने गाँव, अपने हवेलियाँ ३८
  स्वागत! नवयुग के नवल वर्ष ३९

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

विनम्र निवेदन

आदरणीय महोदय / महोदया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अपने स्थापना काल से ही नाना माध्यम से समाज विकास के कार्य में रत है। इसी सिलसिले में सम्मेलन ने १९४७ से समाज सुधार के कई अभियान सफलता के साथ संपन्न किए हैं। बदलते समय के साथ आज समाज मे नई-नई सामाजिक विसंगतियाँ पनप रही हैं। समाज-सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है। वर्तमान में हमारे संस्कार-संस्कृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता क्षीण होती जा रही है। इसके लिए सम्मेलन 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम कई वर्षों पहले प्रारंभ किया था।

संस्कार का महत्व एक संस्कृत सुभाषित से स्पष्ट हो जाएगा, जिसमें कहा गया है – **जन्मना जायते शूद्रः कर्मणा द्विज उच्यते**। अर्थात जन्म से सभी शूद्र प्रकृति के होते हैं, संस्कारों से श्रेष्ठ बनाया जाता है। यह भी कहा जाता है कि समाज का गठन संस्कार करते हैं, यह सरकार का काम नहीं है। इन दिनों भोगवादी जीवन पद्धति ने अर्थ को अत्यधिक प्रधानता दी है। फलस्वरूप व्यक्तित्व विकास का क्रम पीछे रह गया है। शिशु के नैतिक, बौद्धिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक विकास में उसके अभिभावक एवं परिवार की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। परिवार पाठशाला है एवं माता-पिता प्रथम गुरु होते हैं। साथ ही साथ घर का वातावरण बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अभिभावकों के लिए सबसे महत्वपूर्म होता है कि उन संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों का वे स्वयं पालन करें जो कि वह अपने बच्चों में देखना चाहते हैं। यह स्मरण रखना होगा कि बच्चे आचरण ग्राही होते हैं। इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि इस पूरे प्रयास में अभिभावकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण हैं। इस प्रयास में कुछ सुझाव मिले हैं जो निम्नलिखित हैं:

१) घर में हम मायड़ भाषा का प्रयोग करें।
२) हमारे ग्रंथों एवं विचारकों के नीति वचन, नीति कथा, प्रेरक प्रसंग, हमारे संस्कृति में हमारे जीवन के महत्व पर सामग्री बच्चों एवं अभिभावकों को उपलब्ध करवाया जाए।
३) बच्चों को चरित्र निर्माण की आवश्यकता पर जानकारी दिया जाए एवं उनके चरित्र निर्माण में सहयोग करें, ताकि वर्तमान युग के प्रलोभनों एवं प्रमादों से वे स्वयं को दूर रख सकें।
४) उन्हें अपने जीवन की महत्ता एवं उसे श्रेष्ठ बनाने के लिए प्रेरित किया जाए।

आवश्यकता इस बात की है कि इस कार्यक्रम को अधिक से अधिक बच्चों एवं अभिभावकों तक किस तरह पहुँचाया जाए। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। सभी समाज-बंधुओं को इस विषय में अपने सुझाव देने का विनम्र निवेदन करता हूँ। इस संबंध में आपके विचार, लेख 'समाज विकास' के माध्यम से पूरे समाज के साथ साझा करने का प्रयास रहेगा। साथ ही साथ इस कार्यक्रम को अधिक से अधिक असरदार बनाने में भी सहायक रहेगा। आपसे सम्मेलन के इस कार्यक्रम में सक्रिय योगदान की मैं आशा रखता हूँ।

शिव कुमार लोहिया

शुभकामना संदेश

डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

राधे - राधे! राम - राम!

सर्व प्रथम आने वाले नव वर्ष की शुभकामना। मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हो रही है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ८९वाँ स्थापना दिवस समारोह २५ दिसंबर २०२३ (सोमवार) को जी. डी. बिड़ला सभागार में आयोजित किया जा रहा है।

सम्मेलन का स्थापना दिवस अपने आप में मारवाड़ी समाज एवं सम्मेलन के लिए एक आने वाली उत्सव की तरह है जिसे हम सभी मिलजुल कर एक मंच पर आकर अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं और अपने लक्ष्य व अपने संकल्प **'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'** को आगे बढ़ाना है।

इस स्वर्णिम अवसर पर सम्मेलन द्वारा **'समाज विकास'** का विशेषांक प्रकाशित किया जा रहा है। जिसके लिए मैं, सम्मेलन को शुभकामना प्रदान करता हूँ साथ ही स्थापना दिवस समारोह की सफलता पूर्वक आयोजन की शुभकामना प्रदान करता हूँ।

शुभकामना!

हरिप्रसाद कानोड़िया

हरि प्रसाद कानोड़िया

नव वर्ष का अतिरेक

संपादकीय

अंग्रेजी कैलेंडर का वर्ष बदल गया। सदा की भाँति लोग सड़कों पर उतर आए। रात में होटलों में तिल धरने की जगह भी नहीं मिल पा रही थी। दिन भर पिकनिक का माहौल, सभी सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ ही भीड़।

इस दौरान कुछ खबरें समाचार पत्रों में पढ़ने को मिली। शराब की खपत लगातार बढ़ रही है। २५ दिसंबर से ३१ दिसंबर २०२३ के मध्य सिर्फ पश्चिम बंगाल में ७५० करोड़ के मद्य की रिकार्ड बिक्री हुई। दूसरी खबर बता रही थी कि पुलिस शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों को गिरफ्तार करने के लिए विशेष व्यवस्था कर रही है और इसमें सफलता मिल रही है। शराब अत्यधिक मात्रा में पीने के बाद स्थिति बिगड़ने पर अस्पतालों में उनके लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। एक अन्य खबर में बताया गया था कि नव वर्ष के ज्वार में उपजे भीड़ को संभालने के लिए हजारों की संख्या में पुलिस की भी तैनानी हो रही है।

नव वर्ष के अनेकों संदेश के मध्य रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता के द्वारा इधर-उधर व्हाट्सअप के जरिए संदेश दिया जा रहा था – 'यह नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं' एक अन्य संदेश में कहा गया – 'मेरा नव वर्ष आ रहा है चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा से'। एक अन्य संदेश में कहा गया कि वर्ष बदल रहा है, संस्कार-संस्कृति न बदलें। उन्हें लगा संस्कार-संस्कृति अभी भी बची हुई है? एक सज्जन से बात हो रही थी। वे अंग्रेजी नववर्ष के समर्थकों को कोस रहे थे। लगे हाथ मैंने पूछ लिया कि कृपया यह बताएँ कि विक्रम संवत के अनुसार आज की तिथि क्या है। भाई साहब बगले झाँकने लगे।

एक तरह से देखा जाए तो नव वर्ष पर दोनों तरफ से ही 'इस्केपिज्म' यानी सचाई से दूर होने की प्रचेष्टा होती है। नव वर्ष के नाम पर खुशियाँ मनाई जाती हैं, जिसके तहत सड़कों पर धूमधाम कर उर्जा का अपव्यय होता है एवं रात में नशे के आगोश में 'हाई' में जीने की एक कृत्रिम कोशिश होती है। इस थोड़ी देर की 'हाई' को संभालने में घंटों तो लगते ही, जेब भी खाली होते हैं।

यह भी पाश्चात्य सभ्यता एवं प्रवृत्ति की नकल मात्र है। अन्यथा भारतीय संस्कारों में तो सभी उत्सव पूजा-पाठ से सात्विक परिवेश में संपन्न होने का प्रावधान है, जिसमें उर्जा का विकास होता है।

समाज में मदिरा का बढ़ता प्रचलन एक अत्यंत ही चिंतनीय विषय है। लोग कहते हैं कि वैवाहिक अवसर पर मद्यपान निषेध होना चाहिए। प्रश्न यह उठता है कि जो लोग ३६५ दिन मद्यपान करते हैं, वे विवाह के अवसर पर मद्यपान अधिक करेंगे या नहीं करेंगे? मद्यपान निषेध की बात करना अब एक मूर्खता की बात हो गई है। अब मद्यपान को समाज ने गाहे-बगाहे स्वीकार कर लिया है। किशोर बच्चे हाथों में बोतल, पेग लिए अपना फोटो खिचवाते हैं और सोशल मीडिया में वायरल करने में गर्व महसूस करते हैं।

कुछ महिनों पहले एक घनिष्ठ मित्र से चर्चा हो रही थी। उन्होंने बताया कि किसी आयोजन में आजकल होटलों में पार्टियों में खाने-पीने पर ४०० अतिथियों के लिए १६ लाख खर्च होता है तो मद्यपान पर ४०/५० लाख का खर्च आता है। यह जानकारी मिली, उस दिन की एक-एक बोतल का दाम ५० हजार होता है। समारोह का स्टेटस अब बोतलों पर आँकी जाती है। इस तरह मदिरा पर पानी की तरह धन बहाया जा रहा है। दूसरी तरफ व्यवसाय में साख कम होती जा रही है। समाज के युवा व्यवसाय की जगह नौकरी करना श्रेयस्कर मानते हैं।

यह एक चिंतनीय विषय है कि मद्यपान अब रोजमर्रा की बात हो गई है। मद्यपान के आदी युवाओं को किस हद तक युवा समझा जाए या यूँ कहें कि उनका यौवन मद्यपान एवं उसके सेवन से उपजे प्रमाद में नष्ट होने के लिए है या उस चरित्र का निर्माण करने के लिए जिसका स्वामी विवेकानंद ने उल्लेख किया था। स्वामी जी का मानना था कि एक युवा का जीवन सफल होने के साथ-साथ सार्थक भी होना चाहिए, जिससे उसके अस्तित्व, हृदय और आत्मा का संपोषण हो सके। वे चाहते थे कि युवा अधिक से अधिक संख्या में सामाजिक गतिविधियों में शामिल हों, जिससे न केवल समाज बेहतर होगा, बल्कि उससे व्यक्तिगत विकास भी होगा। उनके अनुसार सामाजिक सेवा से चिर समृद्धि होती है। उनका मानना था कि बाकी हर चीज की व्यवस्था हो जाएगी, लेकिन सशक्त मेहनती, आस्थावान युवा खड़ा करना बहुत जरूरी है। उनका कहना था कि हमें ऐसे विचारों को संजोना है जो समाज निर्माण, व्यक्ति निर्माण एवं चरित्र निर्माण करें।

हमें यह सदा याद रखनी चाहिए कि जीवन की स्थाई सफलता का आधार मनुष्य का चरित्र है। सेवा, दया, परोपकार, उदारता आदि चरित्र के बहिर्मुखी अंग हैं। उत्कृष्ट चिंतन, नियमित जीवन, धीर-गंभीर मनोदशा श्रेष्ठ मनुष्य निर्माण के आवश्यक उपादान हैं। इस प्रकार का व्यक्ति जीवन के प्रलोभनों, प्रमादों एवं क्षणिक फायदे की बातों से स्वयं को दूर रखने की क्षमता रखता है। वह अपने जीवन में स्वाध्याय, परिश्रम एवं विवेक से स्वयं, परिवार एवं समाज के लिए अपनी उपयोगिता में निरंतर वृद्धि करता रहता है। हमारी खुशियाँ एवं सुख की अवधारणाएँ क्षणिक आवेगों एवं कृत्रिम तरीकों पर अवलंबित ना रहे, इसका हमें ध्यान रखना चाहिए।

नव वर्ष पर खुशियाँ मनाना अप्राकृतिक नहीं है। हमारे संस्कार-संस्कृति इस विषय पर हमें उचित मार्ग दर्शाते हैं, हमें उनका स्मरण रखना चाहिए। नव वर्ष की खुशियाँ मनाएँ, नव वर्ष के अतिरेक से बचें। वर्ष २०२४ के सभी सुधि पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएँ। आप स्वस्थ रहें, उन्नति करें एवं हमारे संस्कार, संस्कृति से जुड़े रहें।

सम्मेलन के बढ़ते कदम

राम-राम!

सम्मेलन के ८९वें स्थापना दिवस समारोह पर मिली प्रतिक्रियाएं काफी उत्साहवर्द्धक हैं। विशेषकर तीन अतिथियों के वक्तव्य श्रोताओं के मन को भा गए। जयपुर से समारोह में विशेष रूप से पधारे सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति श्री ईश्वर चंद अगरवाला की बातें सीधे उनके हृदय से निकल रही थीं, जो कि महसूस किया जा रहा था। उस समय मुझे हेलेन केलर की वह उक्ति याद आ गई, जिसमें उन्होंने कहा था – दुनिया की सबसे अच्छी एवं सबसे खूबसूरत चीजों को देखा या छुआ नहीं जा सकता, उन्हें दिल से महसूस किया जाना चाहिए। ईश्वर चंद जी ने कहा कि मारवाड़ी होने का उन्हें बराबर लाभ मिला। लोग उन्हें उधारी दे देते थे यह सोचकर कि मारवाड़ी है, पैसा सुरक्षित रहेगा। यह वक्तव्य काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मारवाड़ियों की साख की ओर इंगित करता है; जो उन्होंने अपने निष्ठा एवं ईमानदारी से कमाया है। सहजता एवं सरलता से अपनी बातें कहते हुए तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने सम्मेलन के शिक्षा कार्यक्रम के मद के लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि का सहयोग देने की घोषणा की। इस संदर्भ में हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्म श्री प्रह्लाद राय जी अगरवाला के वक्तव्य का उल्लेख करना चाहूँगा, जिसमें उन्होंने कहा कि व्यापार, दान एवं समाजसेवा तो मारवाड़ी के खून में है एवं युवा पीढ़ी को इसे छोड़ना नहीं चाहिए।

पद्म भूषण डॉ. देवेंद्र राज मेहता ने कहा कि वे मारवाड़ी हैं और उन्हें मारवाड़ी होने का गर्व है। उन्होंने भी बहुत सी बात बताई जो मारवाड़ी समाज के गुणों पर प्रकाश डालता है। एक उदाहरण में उन्होंने बताया कि सरकारी कार्य के सिलसिले में एक व्यक्ति को उन्होंने आर्थिक रूप से दंडित किया। उनके सरकारी नौकरी से अवकाश लेने के बाद जब उन्होंने विकलांगों की सेवा का कार्य प्रारंभ किया, तो वही व्यक्ति उनके पास आकर उनके सेवाकार्य के लिए अच्छी खासी रकम अनुदान में दिया।

इस प्रकार जाने-अनजाने मारवाड़ी समाज की विभिन्न गुणों को उल्लेख हुआ। इन गुणों को हमें बचाके रखना है। यह हमारी जिम्मेदारी है, क्योंकि ये हमें विरासत में मिले हैं। विरासत में मिले चीजों को आने वाली पीढ़ी को सौंपना हमारा पवित्र कर्तव्य है। इसको निभाने में हम कहाँ तक सफल होंगे, आज समाज में इन बातों की क्या स्थिति है, इन प्रश्नों का उत्तर हमें स्वयं टटोलना है। इन्हीं बातों में उभरकर आती है अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन जैसी संस्था की भूमिका।

सम्मेलन, समाज का प्रहरी के रूप में पूरे समाज का इन विषयों पर ध्यान आकृष्ट करने का निरंतर प्रयास कर रहा है। तथाकथित आधुनिकता के भूल-भुलैया में हम अपनी संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा, भाषा आदि को तजते जा रहे हैं। संपन्नता के साथ स्वच्छंदता का रहना हानिकारक होता है। समाज में पनप रही विसंगतियों पर गुवाहाटी अधिवेशन पर प्रस्ताव पारित हुए थे। इस विषय पर हाल ही में आयोजित कार्यकारिणी समिति में भी चर्चा हुई थी। बैठक के पहले गुवाहाटी में पारित प्रस्तावों की ओर सभी सदस्यों का ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र द्वारा मैंने अनुरोध किया था कि इन प्रस्तावों को कार्यान्वित करने के विषय में अपने सुझाव दें। समाज-सुधार उपसमिति में भी उन पर चर्चा हुई।

एक अन्य विषय जिस पर कार्यकारिणी समिति में चर्चा हुई वह है – सभी प्रांतों में कम से कम पांच शाखा खोलना। इस संबंध में राष्ट्रीय उपाध्यक्षों, राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं प्रांतीय अध्यक्षों के सम्मिलित प्रयास की आवश्यकता है। कुछ प्रांतों में सफलता मिली है। हाल ही में मध्यप्रदेश के कटनी शाखा के शुभारंभ समारोह के अवसर पर १०० नए सदस्य बनाए गए एवं समारोह में शहर के लगभग ३५० समाज-बंधु उपस्थित थे।

सम्मेलन के एक समर्पित साथी बलागीर, उत्कल प्रवासी गौरीशंकर जी अग्रवाल का हाल ही में परलोकगमन हो गया। गौरी बाबू का सम्मेलन के प्रति समर्पण, निष्ठा का मैं गवाह रहा हूँ। वर्षों पहले उनसे सम्मेलन के जरिए मेरा संपर्क हुआ। सम्मेलन के लिए वे सदैव ही तत्पर रहते थे। उनका जीवन प्रेरणास्पद जीवन था। मृदुभाषी, सरल, सहज स्वभाव के धनी गौरी बाबू के बिछड़ने से हम मर्माहत हैं। उनके प्रति मेरी विनम्र श्रद्धांजलि।

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

शिव कुमार लोहिया

आपकी बात

कहा जाता है कि समाज में बढ़ती हुई विसंगतियों का मूल है हमारे संस्कार-संस्कृति का बढ़ता हुआ विस्मरण। सम्मेलन सदैव इस बात का प्रयास करता रहा है कि समाज में हमारे संस्कार-संस्कृति को प्राथमिकता मिले। कहा भी गया है कि अंधकार को कोसने से श्रेष्ठकर है हम ज्ञान का दीपक जलाएँ। अंधकार का कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं होता, यह प्रकाश की अनुपस्थिति मात्र है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए '**समाज विकास**' के इस अंक से हमारे 'संस्कार-संस्कृति' के मूलभूत अवधारणाओं को संजोते हुए कुछ प्रेरणास्पद रोचक जानकारियाँ पाठकों के साथ साझा करने का प्रयास प्रारंभ किया जा रहा है।

जनवरी माह में हम विवेकानंद जयंती, मकर संक्रांति, नेताजी जयंती एवं गणतंत्र दिवस का पालन करेंगे। इन्हीं से संबंधित कुछ तथ्यों को इस अंक में समाहित किया गया है। सुधि पाठकों से विनम्र आग्रह है कि इस संबंध में अपने सुझाव भेजें तथा हमें इस प्रयास के विषय में अपनी राय की जानकारी दें। **सभी अभिभावकों से हमारा अनुरोध है कि घर में बच्चों, युवाओं तक इन सामग्री को पहुँचाएँ एवं यह सुनिश्चित करें कि वह इनका पठन-पाठन करें। बच्चों द्वारा इन विषयों पर उनकी सम्मति विशेष रूप से आमंत्रित है। अंक में समाहित 'ज्ञान गंगा' एवं अन्य विषयों पर बच्चों एवं युवकों की राय की प्रतीक्षा रहेगी। यह प्रयास तभी सफल होगा जब प्रत्येक घर में अभिभावक एवं बच्चे इन विषयों पर चर्चा करें एवं अपनी प्रतिक्रिया दें। बच्चों द्वारा भेजी गई तीन श्रेष्ठ राय पर पुरस्कार देने की भी योजना है।**

सम्मेलन कार्य-बल, तपो-बल, संकल्प-शक्ति के साथ समाज के लिए काम करता आ रहा है

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का स्थापना दिवस जी.डी. बिरला सभागार, बालीगंज में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सुप्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति राधेश्याम गोयनका ने स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन किया। सभी अतिथियों एवं सम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **शिव कुमार लोहिया** ने सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए एवं सम्मेलन की स्थापना का संक्षिप्त परिचय करवाते हुए कहा कि सम्मेलन समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था है, इसके परिचय से ही इसकी उपादेयता को समझा जा सकता है। सम्मेलन कार्य-बल, तपो-बल, संकल्प-शक्ति के साथ समाज के लिए काम करता आ रहा है। आज हम सम्मेलन के ध्येय वाक्य 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति' एवं इस सत्र के ध्येय वाक्य 'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज' की अवधारणा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सम्मेलन समाज-सुधार, संस्कार-संस्कृति चेतना, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक चेतनता को साकार करने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। सम्मेलन के स्थापना दिवस का कार्यक्रम कई प्रांतों एवं शाखाओं में हो रहा है इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने प्रांतीय एवं शाखाओं के पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दीं।

समारोह के स्वागताध्यक्ष तथा निवर्तमान अध्यक्ष **गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि आज हम ऐसे विभूति डॉ. देवेंद्र राज मेहता को सम्मानित कर रहे हैं जिससे हम खुद सम्मानित हो रहे हैं। सम्मेलन के पुरेधाओं को याद करते हुए उन्होंने कहा कि सम्मेलन अपने स्थापना काल से ही समाज-सुधार, समाज विकास, समाज समन्वय और सेवा जैसे कार्य को करता आ रहा है। कुरीतियाँ हर समय में आती रही है, आज की कुरीति का मूल कारण है – स्व-अहंकार और ज्यादा संपन्नता। इसे दूर करना बड़ा मुश्किल काम है, लेकिन असंभव नहीं। अपने समाज से हमें आह्वान करना चाहिए कि हम राजनीति में अपनी भागीधारिता अधिक बढ़ाएँ। आज की युवा पीढ़ी को भाषण देने से काम नहीं चलेगा, युवा पीढ़ी से जो काम हम करवाना चाहते हैं उसे हमें अपने आचरण के माध्यम से उनके सामने प्रस्तुत करना पड़ेगा।

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष तथा पुरस्कार उपसमिति के चेयरमैन **पद्म श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि आज अपना समाज बेटी और बेटों से बहुत सुरक्षित है और प्रगतिशील है। हमें खुशी है कि आज हमारी ६० प्रतिशत आबादी युवा पीढ़ी की है, और सब अपने-अपने क्षेत्र में दक्ष हैं। आज हमारी युवा पीढ़ी हमें इग्नोरेंट से टेक्नोक्रैट की स्थिति में पहुँचा दिया है। युवा पीढ़ी से मेरा अनुरोध है कि समाजसेवा, दान और व्यापार हमारे खून में है, इसे उन्हें नहीं छोड़ना चाहिए।

समारोह के उद्घाटनकर्ता **राधेश्याम गोयनका** ने कहा कि सम्मेलन समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भूमिका निभाते हुए समाज के विभिन्न घटकों को साथ लाने के कार्य को करता रहा है। सम्मेलन समाज में व्याप्त विसंगतियों के विरूद्ध युवा पीढ़ी में संस्कार एवं संस्कृति, मायड़ भाषा के प्रति जागरूकता का कार्य करता रहा है और आज भी कर रहा है। पिछले कुछ समय में युवा पीढ़ी पढ़ाई करके नौकरी करने की तरफ उन्मुख हुई है, जबकि हमारी पहचान अपने उद्योग-व्यापार खड़े करने की है, रोजगार सृजन

करने की है। यह पहचान भुलाई नहीं जानी चाहिए। आज हमारे पुरखों द्वारा स्थापित सामाजिक जीवन-मूल्यों का जिस प्रकार पतन होता दिखाई दे रहा है वह चिंता का विषय है। आज विवाह संबंध विच्छेद के मामले बढ़ते जा रहे हैं, इस पर लगाम लगाने की आवश्यकता है। मारवाड़ी समाज के उन्नति का मूल आधार संयुक्त परिवार है, संयुक्त परिवार के फायदे ही फायदे हैं थोड़ी सहनशीलता, थोड़ा संयम और भरपूर स्नेह बनाए रखकर हम संयुक्त परिवार को अपनी शक्ति बना सकते हैं और स्वयं अपने वृहद परिवार की शक्ति बन सकते हैं। दुनिया भर के दिव्यांग-जनों में जीवन के प्रति विश्वास और उत्साह का संचार करने वाले पद्म भूषण डॉ. देवेंद्र राज मेहता को सम्मेलन के 'राजस्थानी व्यक्तित्व पुरस्कार' से अलंकृत किए जाने पर उन्हें बधाई दी और कहा कि आपको इस सम्मान से सम्मानित करके यह पुरस्कार आज खुद सम्मानित हुआ है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि **ईश्वर चंद अगरवाला** ने अपने व्यवसायिक जीवन संघर्षों की प्रेरक जानकारी देते हुए बताया कि मारवाड़ी होने का जो मुझे फायदा मिला वह यह कि मैं किसी भी समाज के लोगों से कुछ माँग लेता था तो मुझे मिल जाता था, लोग कहते थे कि मारवाड़ी है पैसा कहीं नहीं जाएगा। सम्मेलन के कार्यों की सराहना करते हुए, इसमें युवा पीढ़ी को जोड़ने की पहल का पदाक्षेप उठाने का सुझाव दिया। आगे श्री अगरवाला ने उच्च शिक्षा कोष में एक करोड़ रुपये के सहयोग की घोषणा की।

स्थापना दिवस पर पीड़ित मानवता की अप्रतिम मानवीय सेवा एवं वैश्विक स्तर पर सामजिक सहायता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान कर मारवाड़ी समाज का गौरव बढ़ाने वाले समाजसेवी तथा भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक पद्म भूषण डॉ. देवेंद्र राज मेहता को सम्मेलन के सर्वोच्च 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-२०२२' (सौजन्य रामनिवास-आशारानी लाखोटिया) प्रदान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, पुरस्कार चयन कमिटी के चैयरमैन पद्म श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राज कुमार केडिया, संयुक्त महामंत्री द्वय पवन कुमार जालान, संजय गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान, पवन बंसल, मनीष लाखोटिया ने तिलक, बुके, पगड़ी दुपट्टा, शॉल, श्रीफल, मानपत्र तथा एक लाख की राशि प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। तत्क्षण डॉ. मेहता ने घोषणा किया कि प्राप्त सम्मान राशि से सम्मेलन के नाम से हम दिव्यांगों को तीस पैर लगवा देंगे।

डॉ. देवेंद्र राज मेहता ने अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि समाज का यह सम्मान पाकर अभिभूत हूँ। श्री मेहता ने अपने सामाजिक जीवन की शुरुआत और उसके अनुभव, आनंद के बारे में बताते हुए कहा कि हमसे किसी ने पूछा की आपको यह सेवा करके क्या मिलता है, मैंने कहा कि हम 'मायूसी से मुस्कान तक की यात्रा' के साक्ष्य का आनंद लेते हैं। मारवाड़ी की पहचान उद्यम, उदारता और दान से है। चाहे मानवीय सेवाकार्य हो या जानवरों की सेवाकार्य हो मारवाड़ी समाज सभी तरह का सेवाकार्य कर रहा है। मारवाड़ी समाज की सेवा को लेकर भावना है कि मैं माध्यम हूँ। कोई भी बड़ा काम मारवाड़ी ही कर सकता है। आज की युवा पीढ़ी टेक्निकल हो गई है, जो अच्छी बात है।

इस मौके पर सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष नंदलाल रूंगटा, राम अवतार पोद्दार एवं संतोष सराफ तथा सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका, पवन कुमार गोयनका, निवर्तमान महामंत्री संजय हरलालका, निवर्तमान कोषाध्यक्ष दामोदर प्रसाद विदावतका, पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री गोपाल अग्रवाल, फाइनेंस कमिटी के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, प्रांतीय महिला सम्मेलन की अध्यक्ष बबिता बगड़िया, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद शाह, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष कमलेश नाहटा (मध्य प्रदेश), कटनी शाखाध्यक्ष शरद सरावगी का सम्मान पगड़ी व दुपट्टा भेंटकर किया गया।

निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने डॉ. देवेंद्र राज मेहता का संक्षिप्त परिचय दिया व मानपत्र का वाचन निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने किया। सम्मेलन के मुखपत्र 'समाज विकास' के स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन मंचस्थ अतिथियों ने किया।

कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा (पूर्वोत्तर), विजय सकलेचा (मध्य प्रदेश), लक्ष्मीपत भूतोड़िया (दिल्ली), श्याम सुंदर अग्रवाल (केरल) एवं नन्द किशोर अग्रवाल (पश्चिम बंग) का सम्मान सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने किया।

मंच का सफल संचालन सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **कैलाशपति तोदी** ने किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

राजस्थान के बाड़मेर से आए स्टार्क संस्था के कलाकारों द्वारा गणेश वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया एवं सम्मान कार्यक्रम के उपरांत राजस्थानी लोकनृत्य-गीत, संगीत की मनमोहक प्रस्तुति राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा में की गई।

इस मौके पर शिव रतन फोगला, शंकर लाल कारिवाल, दीनदयाल गुप्ता, बृजमोहन गाड़ोदिया, हरि प्रसाद बुधिया, संजय बुधिया, जे.एस. मेहता, बनवारी लाल मित्तल (सोती), राजेंद्र खंडेलवाल, संदीप गर्ग, महावीर मानकसिया, विजय कनोडिया, जुगल किशोर जाजोदिया, नंदलाल सिंघानिया, कमल कुमार सिंघानिया, राजेश अग्रवाल, विश्वनाथ भुवालका, अरुण प्रकाश मल्लावत, अनिल मल्लावत, अरुण चुड़ीवाल, विष्णु अग्रवाल, अतुल चुड़ीवाल, रमेश चुड़ीवाल, विनोद कुमार बगड़ोदिया, राजेश तुलस्यान, संतोष रूँगटा, डॉ. सुरेश अग्रवाल, रवींद्र चमड़िया, पीयूष कयाल, रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला, सोहन राज सिंघवी, सज्जन बेरीवाल सहित समाज के अनेक बंधु-बांधव, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
• Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
• Conductor and groundwire accessories
• HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
• OPGW cable fittings
• Pole/Distribution line hardware
• AB Cable and ADSS cable accessories
• Substation clamps and connectors
• Conductor, Insulator and hardware testing facility
IAC ELECTRICALS PVT. LTD.
Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Introducing

nouriture

New thinking that heralds the journey to progress

Nouriture is here to usher in a new era of livestock farming through new products, technologies and services. Building on its heritage of 19 years under the name Anmol Feeds, its range includes easily digestible Poultry, Fish, Cattle and Shrimp Feed. Nouriture produces superior quality poultry feed under three different brand names that are nutritious and accelerates growth of poultry. Indeed, with the advent of Nouriture, Indian livestock farming is all set for a revolution. So choose Nouriture, choose progress.

HIGH YIELD | PROMOTES ANIMAL HEALTH | MANUFACTURED USING MODERN FORMULATION

POULTRY FEED | FISH FEED | SHRIMP FEED | CATTLE FEED

Scan to visit website

Manufactured & Marketed by:
ANMOL FEEDS PVT. LTD.

Toll free number:
1800 3131 577

Unit No. 608 & 612, 6th Floor, DLF Galleria, New Town, Kolkata-700156, West Bengal
P +9133 4028 1011-1035 E afpl@nouriture.in W www.nouriture.in

झलकियाँ

राजस्थानी भाषा साहित्य एवं बाल साहित्य सम्मान की घोषणा जल्द

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (२०२३-२५) की द्वितीय बैठक केंद्रीय कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष **शिव कुमार लोहिया** के सभापतित्व में संपन्न हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने सभी सदस्यों का अभिवादन करते हुए सम्मेलन की गतिविधियों पर संक्षेप में चर्चा की एवं संस्कार-संस्कृति चेतना पर कार्य करने के प्रकल्प पर चल रही तैयारी से सदस्यों को सूचित किया। आगे कहा कि हम जल्द ही 'राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान' एवं 'राजस्थानी भाषा बाल साहित्य सम्मान' की जल्द घोषणा कर उस कार्यक्रम को जल्द से जल्द आयोजित करेंगे। साथ ही प्रांतों से उन्होंने अपील की कि रोजगार सहायता, व्यापार सहायता, मायड़ भाषा, संस्कार-संस्कृति चेतना के कार्यों को गति दें। आगे लोहिया ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया को गुजरात में नई सूरत शाखा के गठन में उनके योगदान की सराहना की एवं मध्यप्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष विजय कुमार सकलेचा जी को कटनी में नई शाखा के गठन पर बधाई दी।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया** ने कहा कि शादी-व्याह के कार्यक्रमों में जो काम महिलाओं द्वारा करवाया जा सकता है उसे महिलाओं से ही करवाने पर हमें समाज में जागरण लाने की जरूरत है। बढ़िया काम को और बढ़िया करने की संभावना हमेशा रहती है, इसी को ध्यान में रखकर हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **नन्दलाल रूंगटा** ने संगठन शक्ति, समाजसेवा और समाज-सुधार से संबंधित अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। आगे उन्होंने कहा कि मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार में सहायक पुस्तिका 'सहज राजस्थानी व्याकरण' को अद्यतन करवाने की आवश्यकता है, जिसे हमें करवाना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **पद्म श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में नई शाखाएँ खोलने पर हमें जोर देने की आवश्यकता है। समाज में मद्यपान का चलन बहुत बढ़ रहा है, इसके प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाने की जरूरत है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **संतोष सराफ** ने कहा कि हमें अपने समाज के लोगों को मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करने की कोशिश करनी चाहिए। हमें समाज में अधिक जागरण लाने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि प्रांतों में काफी चेतना आई है, शाखा में चेतना आने से संगठन को मजबूती मिलेगी।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **कैलाशपति तोदी** ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (२४ अगस्त

२०२३) पटना का कार्यवृत प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों पर महामंत्री की रपट प्रस्तुत की।

संगठन-विस्तार एवं प्रांतों की सक्रियता का विवरण देते हुए प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **राजकुमार केडिया** ने अपने प्रभार प्रदेश झारखंड के बारे में कहा कि झारखंड में अच्छे सामाजिक कार्य प्रांत और शाखाओं द्वारा हो रहा है, साथ ही संगठन विस्तार भी अच्छे गति से आगे बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि अभी सतना और कटनी में नए शाखा की शुरुआत हुई है। २०२४ में हम ८ से १० नई शाखाएँ खोलने पर कार्य कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के प्रांतीय अध्यक्ष के साथ लगातार संपर्क में हूँ, वहाँ के प्रांतीय अध्यक्ष ने ८ से १० नई शाखाएँ २०२४ में खोलने का आश्वासन दिया है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **मधुसूदन सीकरिया** ने अपने प्रभार प्रदेश पूर्वोत्तर के बारे में कहा कि पिछले ३ महीनों में २७७ नए सदस्य तथा २ नई शाखाएँ खुली हैं। महिला शाखाएँ खुल रही हैं। सम्मेलन के इतिहास के जागरूकता के लिए वेबिनार पर कार्यक्रम चलाया जा रहा है। गुजरात के सूरत शाखा के क्रिया-कलापों की जानकारी देते हुए कहा कि सूरत में संगठन विस्तार को ध्यान में रखकर नए सदस्य बनाए जा रहे हैं। हाल के दिनों में सूरत में सामूहिक विवाह का सफल आयोजन किया गया था। सिक्किम प्रांत की चर्चा करते हुए कहा कि अभी वहाँ आए प्राकृतिक आपदा के कारण सांगठनिक विस्तार में थोड़ी बाधा आई थी, लेकिन वहाँ की प्रांतीय टीम ने प्राकृतिक आपदा के समय मेडिकल कैंप लगाकर स्थानीय पीड़ित लोगों की सहायता की। आगे उन्होंने अपना सुझाव देते हुए कहा कि केंद्रीय स्तर पर आयोजित हो रहे संगोष्ठी का विस्तार हर प्रांतों तक किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **महेश जालान** ने संगठन से संबंधित रपट प्रस्तुत करते हुए जानकारी दी कि मैं जनवरी महिना के प्रथम सप्ताह में संगठन विस्तार के लिए उत्तराखंड जा रहा हूँ। हमें अपनी कमजोरियों और मजबूती का विश्लेषण करते हुए आगे सांगठनिक विस्तार में आने वाले बाधाओं का समाधान निकालना होगा। सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एक 'सिग्नेचर परियोजना' संचालित करने का सुझाव दिया। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि हमें अपना ९०वाँ स्थापना दिवस का एक बड़ा कार्यक्रम दिल्ली में करना चाहिए, जिसमें हम व्यापार मेला, संस्कृति मेला लगाएँ, विचार गोष्ठी करें, उसमें देश भर से १० हजार सदस्य सहभागिता करें। इससे पूरे देश में संगठन विस्तार इत्यादि में सम्मेलन को आगे आने वाले १० सालों के लिए संजीवनी मिल जाएगी। उपस्थित प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा (पूर्वोत्तर), विजय सकलेचा (मध्य प्रदेश), लक्ष्मीपत भूतोड़िया (दिल्ली) एवं नंदकिशोर अग्रवाल (पश्चिम बंग) ने प्रांत स्तर पर हो रहे कार्यों की जानकारी दी।

निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **भानीराम सुरेका** ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि राष्ट्र, प्रांत को मजबूत करें और प्रांत, शाखा को मजबूत करें तभी हम आगे बढ़ पाएँगे। हमें नए और पुराने सभी सदस्यों के साथ सामंजस्य बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।" एवं पवन कुमार गोयनका ने कहा कि "आत्मविश्लेषण करते रहने से हम अपने जड़ों से जुड़कर सही दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे।"

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **रतन लाल शाह** ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें एक ऐसे अभियान की शुरुआत करनी चाहिए, जिससे हमारी एक नई अलग पहचान राष्ट्रीय स्तर बने। हममें वह ताकत है कि हम कोई अभियान चला सकते हैं। हमें अपने द्वारा किए गए कार्यों का समय-समय पर आंकलन भी करते रहना चाहिए। निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री **संजय हरलालका** ने संगठन में सक्रियता लाने पर अपना सुझाव देते हुए कहा कि सक्रिय प्रांतों के पदाधिकारियों के साथ राष्ट्रीय पदाधिकारी निष्क्रिय प्रांतों का दौरा करें। उन्होंने आगे कहा कि हमें ९०वाँ स्थापना दिवस समारोह का दो दिवसीय कार्यक्रम लेना चाहिए, जिसे हम दिल्ली में आयोजित करें और उसमें प्रधान अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति को बुलाएँ। जिसका प्रभाव हमें पूरे देश में देखने को मिलेगा।

पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष कमलेश नाहटा (मध्य प्रदेश), ओम प्रकाश अग्रवाल (झारखंड) एवं कटनी शाखाध्यक्ष शरद सरावगी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **केदार नाथ गुप्ता** ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि पहले हमें खुद पर अनुशासन करना है, फिर हम शासक हो सकते हैं। आपस में मतभेद होना लाजमी है, मनभेद नहीं होना चाहिए।

सम्मेलन के प्रवीण कार्यकर्ता एवं पूर्व कार्यकारिणी सदस्य गौरी शंकर अग्रवाल के स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

बैठक में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजय गोयनका, राजेंद्र खंडेलवाल, रमेश कुमार बूबना, शिव रतन फोगला, रघुनाथ झुनझुनवाला, पवन बंसल, नरेंद्र कुमार तुलस्यान, आत्माराम सोंथलिया, अरुण चूड़ीवाल, सुशील पोद्दार, नन्दलाल सिंघानिया, सज्जन शर्मा, रमेश कुमार बजाज, गोपाल अग्रवाल, प्रदीप जीवराजका एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में २४ दिसंबर २०२३ को समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता उपसमिति के चेयरमैन पवन कुमार गोयनका ने की। उपसमिति की अध्यक्षता करते हुए श्री गोयनका ने उपस्थित सभी सदस्यों का आभिवादन किया औस सम्मेलन के इतिहास को याद करते हुए समाज-सुधार एवं समरसता उपसमिति की महत्ता के बारे में बताया और आगे कहा कि आज विवाह-विच्छेद, वृद्धाश्रम में बढ़त, संस्कारों में गिरावट, संस्कृति से, मायड़ भाषा से, भारतीय त्योहारों से विमुखता, शादी-विवाह में फिजूलखर्ची, मद्यपान, सड़क पर नृत्य, प्री-वेडिंग शूट, अंधविश्वास में बढ़ावा, एकल परिवार, बेमेल विवाह जैसी समस्याएँ हमारे सामने हैं। इन सब चुनौतियों से सामना करने के लिए हमें अपने बुजर्गों की सलाह, पूर्व पदाधिकारियों के मार्गदर्शन, राष्ट्रीय, प्रांतीय, शाखा पदाधिकारियों से विचार-विमर्श, महिलाओं-युवाओं के सहभागिता, समाज की अन्य संस्थाओं के सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी; हम सभी का साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। आगे श्री गोयनका ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया से मार्गदर्शन करने का अनुरोध किया।

श्री लोहिया ने कहा कि सभी की राय लेकर हमें आगे बढ़ना चाहिए। हमें यहाँ उपस्थित लोगों में कार्य का विभाजन कर लेना चाहिए। हमें गुवाहाटी में आयोजित २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित प्रस्ताव को प्राथमिकता देकर उन प्रस्तावों पर आगे बढ़ना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि हमें किए गए कार्यों की रिपोर्ट के साथ समय आबद्ध फैसला लेकर कार्य करने की जरूरत है। हम कोई भी बात बोलें उस पर संकल्पित रहें। आचरण से काम बनेगा प्रवचन से नहीं।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया ने कहा कि सभी बुराईयों का सिर्फ एक ही समाधान 'संस्कार' है। हम यदि संस्कार संवर्धन कर देंगे तो विसंगतियाँ स्वतः खत्म हो जाएंगी।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ ने कहा कि कुरीतियाँ समय-समय पर बदलती रहती हैं, आज वैवाहिक, सांस्कृतिक, धार्मिक सभी कार्यक्रमों में मध्यपान हो रहा हैं। हमें मद्यपान निषेध, प्री-वेडिंग शूटिंग, रोड पर नृत्य को लेकर समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है। दिन में विवाह करने के लिए समाज-बंधुओं को प्रेरित करने की जरूरत है।

बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, मधुसूदन सीकरिया, राजकुमार केडिया, फाइनेंस समिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री महेश जालान, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, उत्तर प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष श्रीगोपाल तुलस्यान, पूर्वोत्तर प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा, मध्य प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष विजय सकलेचा, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंघानिया, चंद्रकांता, कमलेश नाहाटा, सज्जन शर्मा, गोपाल पित्ती ने भी अपने विचार व्यक्ति किए।

अंत में उपसमिति के चेयरमैन श्री गोयनका ने कहा कि आए हुए सुझावों और गुवाहाटी अधिवेशन में पास प्रस्तावों पर विचार करके उसमें से कुछ को लेकर हम अगली बैटक में निर्णय कर उस दिशा में आगे बढ़ेंगे। तत्पश्चात श्री गोयनका ने सभागार में उपस्थित एवं जूम के माध्यम से जुड़े लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक में उपस्थित थे रघुनाथ झुनझुनवाला, दिल्ली प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोड़िया, राजेंद्र खंडेलवाल एवं आभासीय पटल जूम के माध्यम से जुड़े थे बिहार प्रांतीय अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल, उत्तर प्रदेश प्रांतीय महामंत्री टीकम चन्द्र सेठिया एवं अन्य प्रांतीय पदाधिकारी व सदस्य।

संविधान उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में २४ दिसंबर को संविधान उपसमिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता उपसमिति के चेयरमैन गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने की। उपसमिति के संयोजक संजय हरलालका ने बैठक में उपस्थित सदस्यों को गुवाहाटी में आयोजित २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में लिए गए निर्णय के तहत अखिल भारतीय समिति द्वारा गठित संविधान उपसमिति के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि संविधान उपसमिति के गठन के बाद हमने सभी प्रांतों को पत्र भेजकर संविधान संशोधन से संबंधित सुझाव भेजने का निवेदन किया गया है। उन्होंने सूचित किया कि कमेटी के सदस्य श्री मधुसूदन सीकरिया से संविधान का एक प्रारूप मिला है। इसके अलावा उपसमिति के सदस्य प्रदीप जीवराजका भी एक प्रारूप तैयार कर रहे हैं। आए सुझावों को लेकर प्रारूप तैयार होने के उपरांत केंद्रीय पदाधिकारियों, वरिष्ठों तथा प्रांतों के साथ बैठक कर संशोधित संविधान को अंतिम रूप दिया जाएगा। तत्पश्चात राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति तथा अखिल भारतीय समिति के समझ प्रस्तुत कर, पारित करवाने के बाद लागू किया जाएगा।

उपसमिति के चेयरमैन तथा निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा बिहार, असम तथा झारखंड से हमें पूर्व में संशोधन संबंधी कुछ सुझाव मिले थे। हमने नए सिरे से उन्हें पत्र भेजकर विनिर्दिष्ट सुझाव भेजने का नवेदन किया है। उन्होंने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि हम खुले मन से आए सुझावों पर विचार करेंगे। हमें राष्ट्र, प्रांत और शाखा के हित को ध्यान में रखकर यह कार्य करना है।

बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार केडिया, फाइनेंस समिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, पूर्वोत्तर प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा, मध्य प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष विजय सकलेचा, कमलेश नाहाटा ने भी अपने सुझाव दिए।

बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री महेश जालान, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार गोयनका, दिल्ली प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोड़िया, सज्जन शर्मा उपस्थित थे। आभासीय पटल जूम के माध्यम से मुकुल अग्रवाल, पवन सुरेका, रतन लाल बंका, विनोद जैन एवं अन्य प्रांतीय पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए।

संगोष्ठी : मारवाड़ी समाज में राजनीतिक चेतना

राजनीतिक चेतना को बढ़ावा देना हमारा कर्तव्य

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय सभागार में 'मारवाड़ी समाज में राजनीतिक चेतना' विषय पर एक संगोष्ठी राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर श्री लोहिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि "मारवाड़ी समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, किंतु समाज में राजनीतिक चेतना उस मात्रा में नहीं बढ़ रही जितनी आवश्यकता है। इस संबंध में उन्होंने ईश्वर दास जी जालान, राम कृष्ण सरावगी आदि का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के ५-६ दशक पहले जो राजनीति में समाज की पैठ दिखाई देती थी वह आज नहीं है। सम्मेलन का यह प्रयास है कि इस संबंध में चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई की जाए एवं जो भी समाज से हमें सुझाव मिले उसके अनुसार हम आगे बढ़ें। राजनीति चेतना के बिना राजनीतिक अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है।

कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी के अध्यक्ष एवं समाजसेवी रमेश सरावगी ने कहा कि "हमें अपने विरासत, अपने पूर्वजों पर गर्व होना चाहिए। हम व्यापार के माध्यम से राष्ट्र के आर्थिक विकास में सहयोग एवं योगदान देते आ रहे हैं और मारवाड़ी सम्मेलन का ध्येय है 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'। राजनीति का सकारात्मक पक्ष देखना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि "समाज में प्रत्येक व्यक्ति को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाना चाहिए। वह मतदाता बने एवं मतदान के अधिकार का प्रयोग निश्चित रूप से करे।"

प्रवीण राजनीतिज्ञ एवं उद्योगपति शिशिर बाजोरिया ने कहा "समाज का जो चित्रण गलत हुआ है उसमें बॉलीवुड का बहुत बड़ा योगदान है। देश का विकास हो रहा है। साथ ही साथ राजनीति को हम नकारात्मक रूप में ना लें। राजनीति में अगर अच्छे लोग नहीं आएंगे तो बुरों का ही साम्राज्य रहेगा। सोशल मीडिया के द्वारा समाज के बारे में आवश्यक जानकारी देनी चाहिए।" वक्ताओं ने श्रोताओं के प्रश्नों का भी उत्तर दिया।

इसके पहले नंदलाल सिंघानिया ने अपना विचार प्रकट किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सभा का संचालन राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजय गोयनका ने किया। इस अवसर पर रमेश बूबना, महावीर मनकसिया, शंकर कारीवाल, रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला, आत्माराम सोंथलिया, विक्की सीकरिया, शिव रतन फोगला, पवन बंसल, संदीप सेक्सरिया, घनश्याम सुगला, सुरेश अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मारवाड़ी व्यापार सहयोग

हममें अपरिमित समुच्चय है : श्री लोहिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय सभागार में ५ जनवरी को **'मारवाड़ी व्यापार सहयोग'** प्रकोष्ठ की तीसरी बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में हुई। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का अभिवादन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि हम जैसा सोचते हैं वैसा बन जाते हैं। अगर आप नहीं सोचते है कि मैं सफल होऊँगा तो आप कभी सफल नहीं हो पाएँगे। हम सब अपने को सीमाओं में बाँध लेते हैं, जबकि हममें अपरिमित समुच्चय है।

बैठक के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति संजय कुमार जैन का सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लोहिया ने शाल भेंटकर व फाइनेंस समिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया ने दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजय गोयनका ने संजय कुमार जैन का संक्षिप्त परिचय दिया। संजय कुमार जैन ने व्यापार में सफलता के अपने जीवनानुभवों को साझा करते हुए कहा कि किसी कार्य को करने के पहले हमें विश्लेषण जरूर करना चाहिए, लेकिन हम केवल विश्लेषण ही न करते रहे, विषय की गंभीरता के हिसाब से उस पर कितना समय देना है यह भी हमें पता होना चाहिए। हमें वही कार्य करना चाहिए जो प्रभावोत्पादक हो। समय के साथ हमें अपने कामों में बदलाव लाना चाहिए, लेकिन केवल बदलाव लाने से ही हम सुपर नहीं हो सकते हैं। हमें अलग, अपरंपरागत, नए दृष्टिकोण की सोच से आगे बढ़ना चाहिए। अपनी सफलता का सूत्र बताते हुए उन्होंने कहा कि "मैं समय को घंटों से नहीं, उत्पादन से गिनता हूँ।" उपस्थित लोगों द्वारा किए गए व्यवसाय से जुड़े प्रश्नों का श्री जैन ने उत्तर दिया।

उपस्थित सभी लोगों ने परिचर्चा में अपने व्यापार की जानकारी साझा की और उपस्थित दूसरे सदस्यों के व्यापार में सहयोग में यथा संभव सहयोग की भावना व्यक्त की।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने 'मारवाड़ी व्यापार सहयोग' बैठक का सफल संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया।

मौके पर सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन जालान सहित शिव कुमार फोगला, गोपाल अग्रवाल, रघुनाथ झुनझुनवाला, नवीन खेमका, संदीप सेक्सरिया, गोविंद गोयनका, सुनील भट्टड़, नरेंद्र सिंह शेखावत, अभिषेक कोठारी, पुलकित कोठारी, विकास खेमका, शिवम कश्यप, दीपक अग्रवाल, अमित कुमार कहाली, विधि चूड़ीवाल व अन्य लाभार्थी उपस्थित थे।

सम्मेलन पदाधिकारियों ने की पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती से भेंट

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में १८ दिसंबर २०२३ को राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी के कोलकाता प्रवास के दौरान उनसे शिष्टाचार भेंट की। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने स्वामी जी को राजस्थानी पगड़ी, शाल भेंटकर उनका अभिवादन किया। सम्मेलन पदाधिकारियों ने स्वामी जी को साहित्य, संस्कार, संस्कृति और सम्मेलन के बहुबिधि प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। स्वामी जी ने सम्मेलन के कार्यों की सराहना की। स्वामी जी के साथ मुलाकात में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश जैन एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन कुमार जालान शामिल थे।

महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रांतीय पदाधिकारियों से मुलाकात

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष के कोलकाता प्रवास पर उन्हें आमंत्रण दिया था, जिसे स्वीकार कर नीरा बथवाल एवं प्रांतीय सम्मेलन की पदाधिकारी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय 'डकबैक हाउस' में १९ दिसंबर को पधारीं। उनका सम्मेलन पदाधिकारियों द्वारा पुष्प-गुच्छ भेंटकर सम्मान किया। सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन, गुवाहाटी में जो प्रस्ताव पारित हुए थे उसकी प्रतिलिपि देकर उनसे अनुरोध किया गया कि महिला सम्मेलन व मारवाड़ी सम्मेलन मिलकर इसका ज्यादा से ज्यादा समाज में जागरूकता के लिए प्रचार-प्रसार करें।

महिला सम्मेलन के अधिवेशन में शामिल हुए राष्ट्रीय पदाधिकारी

पश्चिम बंगाल मारवाड़ी महिला सम्मेलन के २० दिसंबर को सैफायर बैंक्केटकोलकाता में रजत जयंती समारोह एवं अधिवेशन 'नव-ज्योति' के आयोजन में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने शिरकत किया।

श्री लोहिया ने अपना वक्तव्य देते हुए मारवाड़ी महिला सम्मेलन के सक्रिय रूप से सामाजिक सुधारों, मानव सेवा, कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में उसके योगदान को याद करते हुए उसके २५ वर्षों के सार्थक और सक्रिय सफर पूरा करने पर उनके सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि समाज की बेहतरी में नारी शक्ति की भूमिका मुख्य है, जिसमें आप महिला सम्मेलन की बहनों का प्रबर योगदान समाज को प्रेरित करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में हमारे संगठन का मधुर और मजबूत संबंध और प्रगाढ़ होता रहेगा एवं हम सामाजिक कार्यों में एक-दूसरे के साथ कदम-ताल मिलाकर चलते रहेंगे।

राज्य वित्त मंत्री से मिले सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया एवं महामंत्री कैलाशपति तोदी ने पश्चिम बंगाल सरकार की वित्त राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) माननीया चंद्रिमा भट्टाचार्य से दिनांक १३ दिसंबर २०२३ को सौजन्यता मूलक भेंटकर उन्हें आगामी सम्मेलन के ८९वें स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम हेतु सादर निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर अपनी सहमति प्रदान की।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एवं सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष का सम्मान

महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री एवं विधायक तथा महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष व पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रमेशचंद्र गोपीकिशन बंग और युवा मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती पूनम जाजू के साथ कोलकाता आगमन पर मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी से मुलाकात की। श्री बंग जी एवं श्रीमती जाजू का राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री ने बुके तथा दुपट्टा भेंटकर सम्मान किया। श्री बंग जी एवं श्रीमती जाजू ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों से सामाजिक मुद्दों तथा महाराष्ट्र प्रांत के सांगठनिक विस्तार पर चर्चा की।

केरल प्रांतीय सम्मेलन के अध्यक्ष का सम्मान

केरल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल के मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने बुके व दुपट्टा भेंटकर सम्मान किया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने श्री अग्रवाल से केरल के सामाजिक मुद्दों तथा केरल प्रांत के संगठन एवं सामाजिक कार्यों पर विस्तार से चर्चा की।

सम्मेलन का राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान घोषित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सम्मेलन का **'सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान'** साहित्यिक, संस्कृति-कर्मी **बंशीधर शर्मा** एवं **'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान' डॉ. मदन गोपाल लढ़ा** को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। सम्मेलन राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान का आयोजन अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर आगामी २१ फरवरी को कोलकाता में करेगा। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने इस आशय की जानकारी देते हुए कहा कि बंशीधर शर्मा ने साहित्य और समाजसेवा का जो भी कार्य अपने हाथ में लिया उसे बड़ी ही दक्षता से पूरा किया। श्री शर्मा अन्यान्य साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के ट्रस्टी, कार्यकारिणी सदस्य एवं संरक्षक हैं। श्री शर्मा ने काव्य संग्रह 'सबदां री सौरम', 'बातां री दरपण' व 'बखत बोलसी बातां रैसी' (यंत्रस्थ) जैसे मौलिक ग्रंथों की रचना की है एवं अमृत प्रवाह, दाधीच विभा, लोकसेवक की जीवन यात्रा, चंदेरी वार्ता, राजस्थान परिषद एवं मित्र परिषद की अनेक स्मारिकाओं का संपादन एवं समवेत संकलन 'मणिमाला' तथा 'काव्य लहरी' का संपादन किया है। श्री शर्मा के राजस्थानी एवं हिंदी में लिखे लेख, कविता, नाटक, कहानी आदि देश की प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में लगातार प्रकाशित होते रहते हैं। श्री शर्मा कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं।

श्री बंशीधर शर्मा

ज्ञात हो कि सम्मेलन की तरफ से उन्हें **'सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान-२०२२'** से विभूषित किया जाना है। आगे उन्होंने कहा कि साहित्यिक, संस्कृति-कर्मी **डॉ. मदन गोपाल लढ़ा** को हम **'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल साहित्य सम्मान-२०२२'** से इसी दिन सम्मानित करने का निर्णय लिया है। डॉ. लढ़ा राजस्थानी भाषा के नई पीढ़ी के कवि, कहानीकार, बाल साहित्यकार, आलोचक और अनुवादक हैं। इनकी उर्वर लेखनी से राजस्थानी बाल साहित्य को नई धार मिली है। डॉ. लढ़ा विगत दो दशकों से निरंतर साहित्य सृजना कर रहे हैं, इन्होंने राजस्थानी में 'सपने री सौख', 'फाइव स्टार' (बाल कहानी), 'म्हारै पांती री चितावां. 'चीकणा दिन', 'सुनो घग्घर' (कविता), 'तिणकला अर पांख्यां' (अनूदित उपन्यास), 'च्यानण पख' (कहानी) और हिंदी में 'होना चाहता हूँ जल' (कविता) का लेखन किया है। डॉ. लढ़ा राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के पहले 'प्रेमजी प्रेम युवा पुरस्कार' और कई अन्य सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने बंशीधर शर्मा एवं डॉ. मदन गोपाल लढ़ा को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की।

डॉ. मदन गोपाल लढ़ा

सम्मेलन का व्यापार सहयोग, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में अभूतपूर्व कार्य

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी के काशी आगमन पर मारवाड़ी समाज भवन में उनका स्वागत व अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वाराणसी मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं वाराणसी में चल रहे गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था द्वारा समय-समय पर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय महामंत्री चुने जाने के पश्चात पहली बार वाराणसी पधारे कैलाशपति तोदी का अंगवस्त्रम, माल्यार्पण और काशी विश्वनाथ धाम के प्रतीक चिह्न से अभिनंदन किया गया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल जाजोदिया ने उनके जीवन परिचय और सामाजिक योगदान से सभा को अवगत कराया और कहा कि निःस्वार्थ सेवा और समर्पण भाव से ही जीवन में ऊँचाईयों पर पहुँचा जा सकता है।

पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष उमाशंकर अग्रवाल ने बताया कि १९३५ में स्थापित मारवाड़ी सम्मेलन ८९ वर्षों से समाज और राष्ट्र की सेवा में कार्यरत है। सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन, सौहार्द, संपन्नता, सेवा और राष्ट्रीय प्रगति को समर्पित इस संगठन ने अद्‌भुत मानक स्थापित किए हैं।

अपने उद्बोधन में कैलाशपति तोदी ने कहा कि सामाजिक एकता से ही देश, समाज का विकास होगा और देश-विदेश में फैले समाज-बंधुओं के एकीकरण में मारवाड़ी सम्मेलन की प्रमुख भूमिका है। उन्होंने बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन व्यापार सहयोग, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में अभूतपूर्व कार्य कर रहा है और लगातार संगठन के माध्यम से सेवारत है। उत्तर प्रदेश को देश की प्रगति में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ विस्तार और विकास की अपार संभावनाएँ हैं और हम सभी को इस कार्य में आगे आना होगा।

कार्यक्रम का संयोजन हेमदेव अग्रवाल व कृष्ण कुमार काबरा और संचालन शाखा मंत्री मनमोहन लोहिया ने किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष श्रीनारायण खेमका, श्यामसुंदर प्रसाद,

दिलीप खेतान, राजेश गट्टानी, मनीष गिनोडिया, गोकुल शर्मा, आनंद स्वरूप, केशव अग्रवाल, संदीप प्रह्लादका व अन्य सदस्य उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन मारवाड़ी समाज के प्रधानमंत्री महेश चौधरी ने दिया।

सम्मेलन द्वारा देवीलाल महिया का सम्मान

साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार-२०२३ से सम्मानित राजस्थानी भाषा के कविता संग्रह **'अँतस रो ओळमो'** के रचनाकार श्री देवीलाल महिया का अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने केंद्रीय सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में हुई। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का अभिवादन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि राजस्थानी भाषा को सरकार से मान्यता तो मिलनी ही चाहिए पर उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि इसे मारवाड़ी जन-जन में मान्यता मिले। उन्होंने कहा सम्मेलन सदा से ही मायड़ भाषा के साहित्य का प्रचार-प्रसार एवं साहित्यकारों का सम्मान करता आ रहा है। इसी शृंखला में साहित्य अकादमी से राजस्थानी भाषा के युवा पुरस्कार विजेता देवीलाल माहिया का सम्मान करके हमें गौरव अनुभव हो रहा है।

सम्मान समारोह के सम्मानित अतिथि देवीलाल महिया को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया ने पगड़ी व सम्मेलन का स्मृति चिह्न भेंटकर, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने शाल ओढ़ाकर तथा जुगल किशोर जाजोदिया ने दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया।

साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार से सम्मानित देवीलाल महिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज चिंता का विषय है कि राजस्थान में भी लोग अपनी भाषा में बात नहीं करते हैं। यह संतोष की बात है कि आज राजस्थान के युवा साहित्यकार काफी राजस्थानी में साहित्य रचना कर रहे हैं।

साहित्यकार पूनम चंद गोदारा ने अपने वक्तव्य में कहा कि लोग कहते हैं कि युवा नहीं लिख रहे हैं पर मैं बताना चाहूंगा की आज राजस्थानी में बहुत युवा रचनाकार हैं। मैं खुद एक पत्रिका का संपादन करता हूँ। भाषा के मान्यता का आंदोलन तो चल रहा है पर मैं दूसरे ढंग से देखता हूँ आज हमारी भाषा में दूसरी भाषाओं का मिश्रण हो रहा है, इससे इसे बचाने की आवश्यकता है।

साहित्यकार बंशीधर शर्मा ने पुरानी स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि जब सम्मेलन का रजत समारोह हुआ था तब मुझे भी उसमें भाग लेने का मौका मिला था।

जुगल किशोर जाजोदिया ने कहा कि यह हमारी कमी है कि आज हम अपनी भाषा से दूर होते जा रहे हैं। मैं तो अपने परिवार से मारवाड़ी भाषा में ही बात करता हूँ।

जयप्रकाश सेठिया ने कहा कि माँ यदि अपने बच्चों से अपनी भाषा में बात करे तो ही कुछ बात बन सकती है। सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने सभा का सफल संचालन किया। सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन कुमार जालान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मौके पर सम्मेलन के फाइनेंस समिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, रघुनाथ झुनझुनवाला, राजेश कुमार डिडवानिया, अमित कुमार कानोई, पूनम चंद गोदारा, सुनील के. एल. 'सोनू' व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

23 जनवरी

प्रणाम का महत्व

महाभारत का युद्ध चल रहा था - एक दिन दुर्योधन के व्यंग्य से आहत होकर 'भीष्म पितामह' घोषणा कर देते हैं कि मैं कल पांडवों का वध कर दूंगा। उनकी घोषणा का पता चलते ही पांडवों के शिविर में बेचैनी बढ़ गई। भीष्म की क्षमताओं के बारे में सभी को पता था, इसलिए सभी किसी अनिष्ट की आशंका से परेशान हो गए तब श्री कृष्ण ने द्रौपदी से कहा कि अभी मेरे साथ चलो। श्री कृष्ण, द्रौपदी को लेकर सीधे भीष्म पितामह के शिविर में पहुँच गए। शिविर के बाहर खड़े होकर उन्होंने द्रोपदी से कहा कि अंदर जाकर पितामह को प्रणाम करो। द्रौपदी ने अंदर जाकर पितामह भीष्म को प्रणाम किया तो उन्होंने अखंड सौभाग्यवती भव का आशीर्वाद दे दिया, फिर उन्होंने द्रौपदी से पूछा कि वत्स तुम इतनी रात में अकेली यहाँ कैसे आई हो, क्या तुमको श्री कृष्ण यहाँ लेकर आए हैं? तब द्रौपदी ने कहा कि हाँ, और वे कक्ष के बाहर खड़े हैं। तब भीष्म भी कक्ष के बाहर आ गे और दोनों ने एक दूसरे से प्रणाम किया। भीष्म ने कहा मेरे एक वचन को मेरे ही दूसरे वचन से काट देने का काम श्री कृष्ण ही कर सकते हैं। शिविर से वापस लौटते समय श्री कृष्ण ने द्रौपदी से कहा कि तुम्हारे एक बार जाकर पितामह को प्रणाम करने से तुम्हारे पतियों को जीवनदान मिल गया है। अगर तुम प्रतिदिन भीष्म, धृतराष्ट्र, द्रोणाचार्य आदि को प्रणाम करती होती और दुर्योधन-दुःशासन आदि की पत्नियाँ भी पांडवों को प्रणाम करती होती तो शायद इस युद्ध की नौबत ही न आती।

तात्पर्य- वर्तमान में हमारे घरों में जो इतनी समस्याएँ हैं उनका भी मूल कारण यही है कि जाने-अनजाने अक्सर घर के बड़ों की उपेक्षा हो जाती है। यदि घर के बच्चे और बहुएँ प्रतिदिन घर के सभी बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद ले तो शायद किसी भी घर में कभी कोई क्लेश न हो। बड़ों के दिए आशीर्वाद कवच की तरह काम करते हैं, उनको कोई अस्त्र-शस्त्र नहीं भेद सकता।

निवेदन - सभी इस संस्कृति को सुनिश्चित कर नियमबद्ध करें तो घर स्वर्ग बन जाए।

प्रेरक प्रसंग

सुभाषचंद्र बोस के घर के सामने एक बूढ़ी भिखारिन रहती थी। वे देखते थे कि वह हमेशा भीख मांगती थी और दर्द साफ दिखाई देता था। उसकी ऐसी अवस्था देखकर उसका दिल दहल जाता था। भिखारिन से मेरी हालत कितनी अच्छी है यह सोचकर वे स्वयं शर्म महसूस करते थे। उन्हें यह देखकर बहुत कष्ट होता था कि उसे दो समय की रोटी भी नसीब नहीं होती। बरसात, तूफान, कड़ी धूप और ठंड से वह अपनी रक्षा नहीं कर पाती।

यदि हमारे समाज में एक भी व्यक्ति ऐसा है कि वह अपनी आवश्यकता को पूरा नहीं सकता तो मुझे सुखी जीवन जीने का क्या अधिकार है और उन्होंने ठान लिया कि केवल सोचने से कुछ नहीं होगा, कोई ठोस कदम उठाना ही होगा।

सुभाष के घर से उसके कॉलेज की दूरी 3 किलोमीटर थी। जो पैसे उन्हें खर्च के लिए मिलते थे उनमें उनका बस का किराया भी शामिल था। उस बुढ़िया की मदद हो सके,, इसलिए वह पैदल कॉलेज जाने लगे और किराए के बचे हुए पैसे वह बुढ़िया को देने लगे।

ज्ञान गंगा

येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुविभारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।।

जिन लोगों के पास विद्या, तप, दान, शील, गुण और धर्म नहीं होता। ऐसे लोग इस धरती के लिए भार हैं और मनुष्य के रूप में जानवर बनकर घूमते हैं।

वृत्तं यत्नेन संरक्षेद् वित्तमेति च याति च।
अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः।।

चरित्र को बड़े प्रयत्न से संभालना चाहिए, धन तो आता है और जाता है। धन के नष्ट होने से कुछ नष्ट नहीं होता है, चरित्र से नष्ट हुआ तो मर जाता है।

बूझो तो जानें...

1. एक सुई दरजी के हाथ में ऐसे कमाल की जो कपड़े सिलाई के काम न आई।
2. ऊपर भी जाती है नीचे भी जाती है पर अपने जगह से हिलती नहीं है।

उत्तर अगले अंक में –

निवेदन

सभी अभिभावकों से हमारा अनुरोध है कि घर में बच्चों, युवाओं तक इन सामग्री को पहुँचाएँ एवं यह सुनिश्चित करें कि वह इनका पठन-पाठन करें। बच्चों द्वारा इन विषयों पर उनकी सम्मति विशेष रूप से आमंत्रित है। अंक में समाहित ज्ञान गंगा एवं अन्य विषयों पर बच्चों एवं युवकों की राय की प्रतीक्षा रहेगी। यह प्रयास तभी सफल होगा जब प्रत्येक घर में अभिभावक एवं बच्चे इन विषयों पर चर्चा करें एवं अपनी प्रतिक्रिया दें। बच्चों द्वारा भेजी गई तीन श्रेष्ठ राय पर पुरस्कार देने की भी योजना है। - **संपादक**

क्या है मकर संक्रांति?

सूर्य का मकर राशि में प्रवेश करना 'मकर संक्रांति' कहलाता है। इसी दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं। शास्त्रों में उत्तरायण के समय को देवताओं का दिन तथा दक्षिणायन को देवताओं की रात कहा गया है। इस तरह मकर संक्रांति एक तरह से देवताओं की सुबह होती है। इस दिन स्नान, दान, जप, तप, श्राद्ध तथा अनुष्ठान का बहुत महत्व है। कहते हैं कि इस मौके पर किया गया दान सौ गुना होकर वापस फलीभूत होता है। मकर संक्रांति के दिन घी, तिल, कंबल, खिचड़ी दान का खास महत्व है।

ऐसी मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर तीर्थ राज प्रयाग में 'मकर संक्रांति' पर्व के दिन सभी देवी-देवता अपना स्वरूप बदलकर स्नान के लिए आते हैं। इस मौके पर इलाहाबाद (प्रयाग) के संगम स्थल पर हर साल लगभग एक मास तक माघ मेला लगता है, जहाँ लोग कल्पवास भी करते हैं। बारह साल में एक बार कुंभ मेला लगता है, यह भी लगभग एक महीने तक रहता है। इसी तरह 6 वर्षों में अर्धकुंभ मेला भी लगता है, मकर संक्रांति पर्व हर साल 14 जनवरी को पड़ता है। एक और प्रसिद्ध मेला बंगाल में मकर संक्रांति पर्व पर गंगा सागर में लगता है।

गंगा सागर के मेले के पीछे पौराणिक कथा है कि आज के दिन गंगा जी स्वर्ग से उतरकर भागीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम में जाकर सागर में मिल गई। गंगा जी के पावन जल से ही राजा सगर के 60 हजार शापग्रस्त पुत्रों का उद्धार हुआ था। इसी घटना की स्मृति में इस तीर्थ का नाम गंगा सागर के नाम से विख्यात हुआ और हर साल 14 जनवरी को गंगा सागर में मेले का आयोजन होने लगा।

पंजाब, जम्मू-कश्मीर एवं हिमाचल प्रदेश में लोहड़ी के नाम से मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। एक प्रचलित लोक कथा के अनुसार मकर संक्रांति के दिन कंस ने श्री कृष्ण को मारने के लिए लोहिता नाम की राक्षसी को गोकुल भेजा था। जिसे श्री कृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था। उसी घटना के फलस्वरूप लोहड़ी पर्व मनाया जाता है। सिंधी समाज भी मकर संक्रांति के पूर्व दिन इसे 'लाल लोही' के रूप में मनाता है। दक्षिण भारत में मकर संक्रांति को 'पोंगल' के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन तिल, चावल, दाल की खिचड़ी बनाई जाती है। इस मौके पर बैलों की लड़ाई होती है, इसे मत्तु पोंगल भी कहते हैं। तमिलनाडु में तमिल पंचांग का नया साल पोंगल ही होता है।

राजस्थान की प्रथा के अनुसार इस दिन महिलाएँ तिल के लड्डू तथा चूरमें के लड्डू बनाकर सास-ससुर या दूसरे बड़े-बुजुर्गों को देती हैं और उनका आशीर्वाद लेती हैं। राजस्थान-हरियाणा में मुख्य रूप से दाल, बाटी, चूरमा, खीर-पूरी का भगवान को भोग लगाकर भोजन किया जाता है। कई जगहों पर विशाल दंगल का आयोजन भी किया जाता है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पतंग प्रतियोगिताएँ भी होती हैं। इसके अलावा दक्षिण बिहार के मदार क्षेत्र में भी एक मेला लगता है।

मकर संक्रांति के त्योहार का वर्णन जाने-माने ग्रंथों में भी मिलता है। **माघे मासे महादेवः यो दास्यति घृतकम्बलम। स भुक्त्वा सकलान भोगान अन्ते मोक्ष प्राप्यति।।**

मकर संक्रांति के दिन जो व्यक्ति कंबल और शुद्ध घी को दान के रूप में देता है, वह व्यक्ति अपने जीवन-मरण के संबंध से मुक्त होने के बाद मोक्ष प्राप्त करता है।

मकर संक्रांति के दिन गंगा स्नान और गंगा तट पर दान की खास महिमा है। तीर्थ राज प्रयाग में मकर संक्रांति मेला तो सारी दुनिया में विख्यात है। इसका वर्णन करते हुए गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी श्री रामचरित मानस में लिखा है **माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई।। देव दनुज किंनर नर श्रेनीं। सादर मज्जहिं सकल त्रिबेनीं।।**

माघ में जब सूर्य मकर राशि पर जाते हैं, तब सब लोग तीर्थराज प्रयाग को आते हैं। देवता, दैत्य, किन्नर और मनुष्यों के समूह सब आदरपूर्वक त्रिवेणी में स्नान करते हैं।

इस दिन सूर्य अपनी कक्षाओं में बदलाव कर दक्षिणायन से उत्तर तरफ होकर मकर राशि में प्रवेश करता है। जिस राशि में सूर्य की कक्षा का परिवर्तन होता है, उसे 'संक्रमण' या 'संक्रांति' कहा जाता है। मकर संक्रांति से सूर्य उत्तरायण हो जाने का मतलब इसे गरम मौसम की शुरुआत की तरह देखा जाता है।

गणतंत्र दिवस की परेड से जुड़े रोचक तथ्य

भारत एक गणतंत्र है। गणतंत्र एक ऐसा देश होता है जहाँ राष्ट्र के लिए निर्णय लेने की शक्ति एक राजा या एक सम्राट के बजाय जनता के द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के पास होती है। भारत के संविधान का सिद्धांत हमेशा से जनता के लिए, जनता का और जनता द्वारा रहा है, जो कि साफ दर्शाता है कि देश के अहम अधिकार भारतीय नागरिकों के हाथों में निहित है। **– संपादक**

1. हमारा गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाया जाता है, क्योंकि भारत 26 जनवरी 1950 की तारीख को प्रजातांत्रिक गणतंत्र घोषित किया गया था। दुनिया का सबसे लंबा संविधान भारतीय संविधान है, जिसमें कई संशोधनों के बाद हाल के समय में 25 भाग, 465 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियाँ हैं।

2. 26 जनवरी की परेड का आयोजन नई दिल्ली स्थित राजपथ (कर्तव्यपथ) पर किया जाता है। 1950 से 1954 तक राजपथ परेड का आयोजन केंद्र नहीं था। इन वर्षों के दौरान, परेड क्रमशः इरविन स्टेडियम (अब नेशनल स्टेडियम), किंग्सवे, लाल किला और रामलीला मैदान में आयोजित की गई थी। 1955 ई. से राजपथ परेड का स्थायी स्थल बन गया। राजपथ को उस समय 'किंग्सवे' नाम से जाना जाता था, जिसे अब कर्तव्यपथ के नाम से जाना जाता है।

3. हर साल 26 जनवरी की परेड के लिए किसी भी देश के प्रधानमंत्री/राष्ट्रपति/या शासक को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। पहली परेड 26 जनवरी 1950 को आयोजित की गई थी, इसमें इंडोनेशिया के राष्ट्रपति डॉ. सुकर्णो को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। हालांकि, 1955 में जब राजपथ पर पहली परेड आयोजित की गई थी, तो पाकिस्तान के गवर्नर-जनरल मलिक गुलाम मोहम्मद को आमंत्रित किया गया था।

4. परेड कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपति के आगमन के साथ होती है। सबसे पहले राष्ट्रपति के घुड़सवार अंगरक्षक राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते हैं और इस दौरान राष्ट्रगान बजाया जाता है। और 21 तोपों की सलामी भी दी जाती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि 21 तोपों से फायरिंग नहीं की जाती? इसके स्थान पर भारतीय सेना की 7 तोपें, जिन्हें 25 पान्डर्स के नाम से जाना जाता है, का उपयोग 3 राउंड फायरिंग के लिए किया जाता है। दिलचस्प तथ्य यह है कि बंदूक की सलामी का समय राष्ट्रगान बजाए जाने के समय से मेल खाता है। पहली फायरिंग राष्ट्रगान के शुरु होने पर होती है और आखिरी फायरिंग ठीक 52 सेकेंड के बाद होती है। ये तोपें 1941 में बनाई गई थीं और सेना के सभी औपचारिक कार्यक्रमों में शामिल होती हैं।

5. भारत की सैन्य शक्ति दिखाने वाले सभी टैंकों, बख्तरबंद वाहनों और आधुनिक उपकरणों के लिए इंडिया गेट के परिसर के पास एक विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक तोप की जाँच प्रक्रिया और सफेदी का काम ज्यादातर 10 चरणों में किया जाता है।

6. परेड के आयोजन में भाग लेने वाले प्रत्येक सेना के जवान को 4 स्तरों की जाँच से गुजरना पड़ता है। इसके अलावा, उनके हथियारों की गहन जाँच की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके हथियारों में जिंदा गोलियाँ तो नहीं भरी हुई हैं।

7. इस आयोजन का सबसे आकर्षक हिस्सा फ्लाईपास्ट है। फ्लाईपास्ट की जिम्मेदारी पश्चिमी वायु सेना कमान पर है, जिसमें लगभग 41 विमानों की भागीदारी शामिल है। परेड में शामिल विमान वायुसेना के अलग-अलग केंद्रों से उड़ान भरकर तय समय पर कर्तव्यपथ पर पहुँचते हैं।

8. परेड में भाग लेने वाले सेना के जवान स्वदेश निर्मित इंसास राइफलों के साथ मार्च करते हैं, जबकि विशेष सुरक्षा बल के जवान इजराइल में बनी टेवर राइफलों के साथ मार्च करते हैं।

स्वामी विवेकानंद के जीवन के प्रेरक प्रसंग

लक्ष्य पर ध्यान लगाओ

स्वामी विवेकानंद अमेरिका में भ्रमण कर रहे थे। एक जगह से गुजरते हुए उन्होंने पुल पर खड़े कुछ बच्चों को नदी में तैर रहे अंडे के छिलकों पर निशाना लगाते देखा। किसी भी लड़के का एक भी निशाना सही नहीं लग रहा था। तब वे स्वयं निशाना लगाने लगे। उनका पहला निशाना बिलकुल सही लगा, फिर एक के बाद एक उन्होंने कुल १२ निशाने लगाए और सभी बिलकुल सटीक लगे। ये देखकर बच्चे दंग रह गए और उनसे पूछा, 'भला आप ये कैसे कर लेते हैं?'

स्वामी जी बोले- 'तुम लोग जो भी काम करो अपना पूरा दिमाग उसी एक काम में लगाओ। अगर तुम निशाना लगा रहे हो, तो तुम्हारा ध्यान सिर्फ अपने लक्ष्य पर होना चाहिए। तभी तुम कभी चूकोगे नहीं।' अगर तुमने जीवन में कोई लक्ष्य बनाया है, तो अपना पूरा ध्यान अपने लक्ष्य पर ही केंद्रित करो।'

डर का सामना

एक बार बनारस में स्वामी विवेकानंद मंदिर से बाहर निकल रहे थे कि तभी वहाँ मौजूद बहुत सारे बंदरों ने उन्हें घेर लिया। वे उनके नजदीक आकर उनको डराने लगे। स्वामी जी भयभीत हो गए और स्वयं को बचाने के लिए दौड़ने लगे, पर बंदर तो मानो उनके पीछे ही पड़ गए। पास में खड़ा हुआ एक वृद्ध संन्यासी यह सब देख रहा था, उसने स्वामी जी को रोका और कहा, "रुको! उनका सामना करो।"

स्वामी जी तुरंत पलटे और बंदरों की तरफ बढ़ने लगे, ऐसा करते ही सभी बंदर भागने लगे। इस घटना से स्वामी जी को एक बड़ी सीख मिली और बाद में उन्होंने एक संबोधन में कहा, "यदि तुम किसी चीज से डरते हो, तो उससे भागो मत, पलट कर सामना करो। जब तक तुम उस डर का सामना नहीं करते, वह तुमको भयभीत करता रहेगा।"

स्वामी विवेकानंद के स्वप्नों का युवक ऐसा हो!

मुख मंडल तेजस्वी हो! वाणी ओजस्वी हो!
शरीर में शक्ति हो! मन में उत्साह हो!
सद्बुद्धि और विवेक हो! हृदय में करुणा हो!
मातृभूमि पर प्रेम हो! इंद्रियों पर संयम हो!
मन जिसका स्थिर हो! आत्मविश्वास दृढ़ हो!
इच्छाशक्ति प्रबल हो! साहसी शूरवीर हो!
सिंह जैसा निर्भय हो! लक्ष्य जिसका ऊँचा हो!
सत्य जिसका ईश्वर हो! व्यसनों से मुक्त हो!
जीवन में अनुशासन हो! मधुर प्रेममयी वाणी हो!
संपूर्ण जगत कुटुंब हो! गुरुजनों पर सम्मान हो!
माता-पिता पर श्रद्धा हो! मानवीय संवेदना हो!
दीन-दुखियों का मित्र हो! सेवा में सदा तत्पर हो!
ईश्वर में भक्ति हो! अचल देशभक्ति हो!
जीवन पूर्ण नैतिक हो! चरित्र जिसका शुद्ध हो!

पेड़ हमारे साथी हैं

पेड़ हमारे साथी हैं
छाया हमको देते हैं।
बाढ़ से हमें बचाते हैं,
मीठे फल भी देते हैं।
पेड़ कितने जरूरी हैं,
फिर भी बेचारे कटते हैं।
हम भी पेड़ लगाएँगे,
संसार को हरा-भरा बनाएँगे।

दो बकरियाँ

एक जंगल में एक नाले पर बड़े से पेड़ के गिर जाने की वजह से उस पर पुल का निर्माण हो गया था। अब वह पुल जंगल के प्राणियों के लिए यातायात के साधन के रूप में इस्तेमाल होने लगा। एक दिन एक बकरी ने उस पुल को पार करके दूसरे सिरे पर जाने की सोची इत्तेफाक से दूसरी तरफ से एक बकरी उसी पुल से इस तरफ आ रही थी। पुल इतना चौड़ा नहीं था कि दोनों बकरियाँ एक बार में उस पुल को पार कर पाती, लेकिन अपनी ताकत के घमंड में चूर दोनों बकरियों ने पीछे हटने से मना कर दिया। बीच में पहुँचते ही दोनों बकरियाँ आपस में लड़ने लगी और नाले में गिर गई और अपनी जान से हाथ धो बैठी।

नैतिक शिक्षा: अपनी ताकत पर घमंड न करें और हर जगह सिर्फ ताकत ही उपयोग नहीं करना चाहिए।

मधुमेह एवं हार्मोनल विकार पर संगोष्ठी आयोजित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से सम्मेलन सभागार में स्वास्थ्य चर्चा के तहत मधुमेह एवं हार्मोनल विकार पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी संपन्न हुई। इस संगोष्ठी को प्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. बिनायक सिन्हा, जिन्होंने यूनाइटेड किंगडम एवं एडिनबर्ग से चिकित्सा की डिग्री हासिल की है, ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मधुमेह अब छोटे बच्चों से लेकर वृद्धजनों तक में व्यापक रूप से बढ़ रही है। आगामी दो दशकों में इसका महामारी का रूप लेने का खतरा हो गया है। जनसाधारण को उन्होंने सलाह दी कि इससे बचने के लिए उन्हें कुछ सावधानियाँ बरतनी होगी। हर ३ महीने में चेकअप करवाते रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि खाने-पीने में फल एवं सब्जियों को प्रथमिकता मिलनी चाहिए एवं भूख से ज्यादा किसी भी हालत में नहीं खाना चाहिए। अध्यक्ष श्री लोहिया ने कहा कि सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति वर्तमान सत्र में स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर कार्यक्रम आजोजित कर रही हैं जो कि स्वागत योग्य है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन कुछ निश्चित शल्य चिकित्सा के लिए किसी भी जरूरतमंद की ८० प्रतिशत तक अनुदान देने की व्यवस्था की है। उन्होंने जनसाधारण को इसका लाभ लेने का आह्वान किया।

स्वास्थ्य समिति के चेयरमैन अनिल मल्लावत ने प्रथम में डॉक्टर सिन्हा का स्वागत किया एवं अध्यक्ष श्री लोहिया ने डॉक्टर सिन्हा का सम्मान किया। डॉक्टर सिन्हा ने श्रोताओं के प्रश्नों का संतोषप्रद उत्तर दिया। संयोजक ब्रजमोहन ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

संगोष्ठी में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन जालान, फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, जुगल किशोर जाजोदिया, रमेश बूबना, रघुनाथ झुनझुनवाला, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, सूरज नागोरी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प.बं. मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी बैठक

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, जो अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध है, ने ८ जनवरी २०२४ को कोलकाता के होटल पवन पुत्र में प्रांतीय अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल के श्रेष्ठ नेतृत्व में अपनी पहली कार्यकारी बैठक सफलता से संपन्न की। प्रांतीय अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने सम्मेलन और इसकी शाखाओं को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतियाँ प्रस्तुत कीं। विभिन्न पहलू प्रस्तुत किए गए, जिनमें स्कूल फीस की सहायता, उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति, विवाह समारोह के लिए सहायता, चिकित्सा सहायता, मेधावी प्रतिभा सम्मान, संबंध विच्छेद सेल, एमएसएमई सेल, और समाज में मारवाड़ी सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में जागरूकता शामिल है। प्रस्तावों को सभी का समर्थन प्राप्त हुआ, जिससे यह सामूहिक विश्वास प्रतिस्थापित हुआ कि ये गतिविधियाँ मारवाड़ी भाइयों और बहनों के उत्थान और समर्थन के लिए सभी संभव मदद करेगी। बैठक में मुख्य सहभागी शामिल थे - उपाध्यक्ष विश्वनाथ भुवालका, चंडी प्रसाद बंसल, गोपी राम धुवालिया, दिनेश सराफ, साथ ही महासचिव नितिन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अभिषेक शरद डोकानिया, संयुक्त कोषाध्यक्ष रूपक केडिया, संयुक्त महासचिव पवन बंसल और अनिल डालमिया, और उपसंयुक्त महासचिव उमेश खंडेलवाल, सुशील चौधरी, मुकेश खैतान, रवि शंकर अग्रवाल, नीरज बंसल, सुभाष चंद्र गोयनका, बिनोद कुमार लिहाला, अशोक सुराणा, अशोक पुरोहित, जो सभी सक्रिय रूप से योगदान कर रहे थे। यह बैठक संगठन के सामाजिक कल्याण के प्रति की गई प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण कदम है, और सम्मेलन इन पहलुओं को मारवाड़ी समुदाय के उत्थान के लिऐ कारगरता से कार्यान्वित करने की आशा करता है।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

स्व. गौरी शंकर अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित

प्रवीण सामाजिक कार्यकर्ता एवं दीर्घकाल तक बड़ी निष्ठा और कर्मठता के साथ सम्मेलन एवं समाज की सेवा करने वाले स्वर्गीय गौरी शंकर अग्रवाल के दुखद निधन की सूचना से समाज में शोक की लहर दौड़ गई। अग्रवाल जी मिलनसार एवं मृदुभाषी व्यक्ति थे। स्वर्गीय गौरी शंकर अग्रवाल का अंतिम संस्कार २८ दिसंबर २०२३ को हिंदू परंपरा के अनुसार बलांगीर स्थित उनके आवास पर किया गया। उत्कल प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल बलांगीर पधारकर गौरी बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित किए। दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने और उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में मित्र और शुभचिंतक उनके आवास पर एकत्र हुए थे। गौरी बाबू के कार्यों और उपलब्धियों की उपस्थित लोगों द्वारा प्रशंसा की गई।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार की ओर से गौरी बाबू के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त किया गया। २४ दिसंबर को आयोजित सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में स्वर्गीय गौरी शंकर अग्रवाल जी की पावन स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया था।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि मेरा गौरी बाबू से व्यक्तिगत संपर्क रहा है। उनका असामयिक निधन सम्मेलन एवं समाज के लिए एक बड़ी क्षति के साथ ही साथ मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति भी है। उनका जीवन सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा एक प्रेरणास्रोत बना रहेगा। आइए, हम सामाजिक कल्याण के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता के उनके महान आदर्शों का अनुकरण करें।

प्रादेशिक समाचार : दिल्ली

दिव्यांग सेवा

३ दिसंबर एवं ७ जनवरी को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने माहेश्वरी सदन, राणा प्रताप कॉलोनी में दिव्यांग सेवा की। इस सेवा कार्यक्रम में उपस्थित रहे प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोडिया जी।

सम्मेलन परिवार की ओर से हार्दिक बँधाई!

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी जी के ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआइएफटीपी) के कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुने जाने पर उन्हें ढेरों बधाई! एआइएफटीपी ११००० सदस्यों वाला एडवोकेट, चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं टैक्स प्रैक्टिशनर्स का एक अखिल भारतीय संगठन है, जो कर नीति निर्धारण पर भी समय-समय पर सरकार को प्रभावशाली सुझाव देता है।

प्रादेशिक समाचार : तमिलनाडु

१७५ रोगी हुए लाभान्वित

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं आरवाईए कॉस्मो फाउंडेशन द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन फाउंडेशन के अस्पताल में किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में आँख, हड्डी व ई.एन.टी. व फिजियोथैरेपी बीएमडी की जाँच की गई। कुल १७५ रोगियों ने इस जाँच शिविर का लाभ उठाया। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष विजय गोयल ने सभी का स्वागत किया। स्वास्थ्य शिविर के चेयरमैन ब्रज खंडेलवाल ने सभी डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल टीम को धन्यवाद दिया तथा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अपोलो हॉस्पिटल के सीनियर डॉक्टर जगदीश का सम्मान किया। शिविर में सम्मेलन के महासचिव मुरारीलाल सोंथलिया, कोषाध्यक्ष मोहनलाल बजाज, आरवाईए कॉस्मो फाउंडेशन के सचिव मनोज चौहान, पूर्व अध्यक्ष गिरिराज मूंधड़ा, अशोक केडिया, शिविर संयोजक अजय नाहर, रवीन्द्र गुप्ता, अरुण बोहरा, नरेंद्र कावड़िया, महेंद्र पुंगलिया, विनोद छागेड, विनोद भुटोरिया, राजेंद्र सिंघवी श्रीरामअवतार रूंगटा, हिनल जैन, पारुल अग्रवाल आदि ने अपनी सेवाएँ दीं।

भंडारा का आयोजन

१३ जनवरी को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मंदिर प्रांगण में भंडारा का आयोजन किया गया। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष लक्ष्मीपत भूतोडिया जी के द्वारा विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बिहार प्रांतीय अध्यक्ष ने किया आधिकारिक दौरा

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल ने छपरा शाखा का दौरा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छपरा शाखा के अध्यक्ष हरीकृष्ण चाँदगोठिया ने किया। महामंत्री प्रतिवेदन विजय कुमार चौधरी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल को संगठन मंत्री श्याम बिहारी अग्रवाल, भगवती प्रसाद जगात व अनिल भरतिया ने अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। वहीं वरीय प्रदेश उपाध्यक्ष अमर कुमार दहलान को दीनदयाल शर्मा तथा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजय कुमार मोदी को पवन कुमार अग्रवाल ने अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने अपने संबोधन में छपरा शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। श्री अग्रवाल ने कहा कि किसी भी चुनाव में मारवाड़ी समाज एकजुट होकर एक प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करे। उन्होंने प्रांतीय सम्मेलन द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि कहीं से रिश्ता आया हुआ है, तो क्या भारत के किसी भी शहर से विश्वसनीय जानकारी चाहिए? इस तरह की वैवाहिक संबंध हेतु उपयुक्त योग्य वर की जानकारी सम्मेलन द्वारा दी जा रही है। पटना या भारत के बड़े अस्पतालों में इलाज में प्राथमिकता और खर्च के बिल में रियायत दिलवाया जा रहा है। सम्मेलन द्वारा दी जा रही उच्च-शिक्षा छात्रवृति के लिए मारवाड़ी समाज के किसी मेधावी छात्र का आवेदन अग्रसरित करवाना चाहते हैं तो प्रांतीय सम्मेलन आपका भरपूर सहयोग करेगा। उपयुक्त रोजगार या सर्विस की आवश्यकता है तो सम्मेलन इसकी भी व्यवस्था करने जा रही है। मारवाड़ी समाज की कोई भी विधवा या परित्यक्ता महिला आजीविका के लिए परेशान है तो उसके आजीविका की व्यवस्था सम्मेलन द्वारा किया जा रहा है। बिना गलती किए किसी भी प्रकार के अनुचित सरकारी या गैर सरकारी दबाव से त्रस्त हैं तो सम्मेलन उससे निजात दिलाने का कार्य करेगा। अपनी भाषा, संस्कृति-संस्कार, पर्व-त्यौहार से संबंधित किसी प्रकार की प्रमाणिक जानकारी चाहते हैं तो सम्मेलन द्वारा दी जाएगी। किसी प्रकार की प्रमाणिक जानकारी चाहते हैं तो सम्मेलन द्वारा दी जाएगी। किसी प्रकार की शैक्षणिक, चिकित्सकीय, आर्थिक, व्यवसायिक, पारिवारिक या सामाजिक सलाह की आवश्कता है तो सम्मेलन इसकी व्यवस्था करेगी। प्रत्येक शाखाओं द्वारा अन्नपूर्णा योजना के तहत आम जन के बीच खिचड़ी का वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन प्रह्लाद कुमार सोनी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संगठन मंत्री सह प्रवक्ता श्याम बिहारी अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर विनोद कुमार शर्मा, दीनदयाल शर्मा, गोविंद चाँदगोठिया, आशीष भरतिया ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम को प्रदेश वरीय उपाध्यक्ष अमर कुमार दहलान, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजय कुमार मोदी, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष राज कुमार मिश्रा, प्रमंडलीय मंत्री आशीष भरतिया आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर बाल कृष्ण खेतान, गोपाल गोयनका, गोविंद अग्रवाल, गोविंद लाठ, विजय कुमार गोयनका, अरुण पुरोहित, प्रिंस बजाज, जितेंद्र कुमार जैन, विशाल जगनानी आदि उपस्थित थे।

शाखाओं के दौरे से पदाधिकारियों में ऊर्जा का संचार

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल वरीय उपाध्यक्ष द्वय अमर कुमार दहलान, मातादीन अग्रवाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजय मोदी द्वारा दिनांक २ जनवरी को छपरा शाखा का दौरा किया गया और वहाँ ५ आजीवन सदस्य बनाए गए। दिनांक ३ जनवरी को मझौलिया, चनपटिया, नरकटि यागंज व बेतिया शाखा का दौरा किया गया। मझौलिया में एक आजीवन सदस्य, चनपटिया में आठ सदस्य एवं नरकटियागंज में तीन आजीवन सदस्य बनाए गए। सभी शाखाओं की बैठक में अच्छी उपस्थिति रही। शाखाओं के दौरे से शाखा पदाधिकारियों एवं सदस्यों में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

प्रांतीय पदाधिकारियों का शाखा दौरा

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल, वरीय उपाध्यक्ष अमर कुमार दहलान, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजय मोदी द्वारा दिनांक ४ जनवरी को बगहा, संगोली, रामनगर शाखा का दौरा किया गया। रामनगर शाखा में ६ सदस्य, सुगौली में पाँच नए आजीवन सदस्य बनाए गए। सभी शाखाओं में सदस्यों एवं समाज-बंधुओं की अच्छी उपस्थिति रही।

प्रादेशिक समाचार : दुमका, झारखंड

तृतीय प्रमंडलीय अधिवेशन सह प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक

मारवाड़ी सम्मेलन का तृतीय संथाल प्रमंडलीय अधिवेशन सह प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक दुमका शाखा के आतिथ्य में अग्रसेन भवन दुमका में संपन्न हुई। अधिवेशन की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल एवं संचालन राजेंद्र महरिया ने किया। अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी उपस्थित रहे।

प्रांतीय अधिवेशन में धनबाद से प्रांतीय मंत्री जितेंद्र अग्रवाल के साथ विजय अग्रवाल, मोहन अग्रवाल उपस्थित हुए दुमका शाखा की ओर से उन्हें पुष्प-गुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। अधिवेशन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने कहा कि सम्मेलन के द्वारा कोलकाता एवं कटक में आमरी अस्पताल के साथ सम्मेलन का अनुबंध हुआ है, जिससे समाज के किसी भी जरूरतमंद को इलाज के बाद विशेष छूट मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर समाज के मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रत्येक वर्ष २ लाख तक का आर्थिक मदद दिया जाएगा।

सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल ने कहा कि सदस्यता के क्षेत्र में झारखंड पूरे राष्ट्र में दूसरे स्थान पर पहुँच गया है, इसे बहुत जल्द पहले पायदान पर पहुँचा दिया जाएगा। प्रांतीय मंत्री जितेंद्र अग्रवाल ने कहा कि समाज के लोगों को राजनीति के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर आगे आना चाहिए, जिसे सभी लोगों ने सहर्ष स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि धनबाद के विकास के लिए एयरपोर्ट की सख्त आवश्यकता है। श्री अग्रवाल ने राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों से निवेदन किया कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा माननीय उड्डयन मंत्री महोदय से धनबाद में जल्द से जल्द एयरपोर्ट देने के लिए पहल करने का निवेदन किया जाना चाहिए। जिस पर प्रांतीय एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी ने कहा कि निश्चित रूप से धनबाद एयरपोर्ट के लिए सभी शर्तों को पूरा करता है और आपकी यह माँग बिलकुल जायज है। हम इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहल करने का भरपूर प्रयास करेंगे। प्रांतीय कोषाध्यक्ष राहुल मारू ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। अंत में प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोज बजाज ने धन्यवाद ज्ञापन कर बैठक समाप्ति की घोषणा की।

प्रादेशिक समाचार : उत्तराखंड

जरूरतमंदों में चरण-पादुका एवं गर्म कपड़ों का वितरण

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर २५ दिसंबर को हरिद्वार में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रंजीत जालान जी द्वारा जरूरतमंदों के बीच में चरण-पादुका एवं गर्म कपड़ों का वितरण किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017
समाज से सादर निवेदन
वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।
प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।
समाजहित में इनसे परहेज करें।
निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

प्रादेशिक अधिवेशन : ११ १२ मार्च २०२३ को ३१वाँ प्रादेशिक अधिवेशन मधेपुरा में अपार सफलता के साथ संपन्न हुआ। तत्पश्चात नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसकी प्रथम बैठक २३ अप्रैल २०२३ को पटना नगर शाखा के आतिथ्य में हुई।
राष्ट्रीय अधिवेशन : १३-१४ मई २०२३ को पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में तेरापंथ धर्मस्थल, गुवाहाटी में राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न हुआ। उक्त अधिवेशन में बिहार से युगल किशोर अग्रवाल, अमर कुमार दहलान, कमल नोपानी, बिनोद तोदी, महेश जालान, योगेश तुलस्यान, पवन कुमार सुरेका, मनीष सर्राफ, विकास सर्राफ एवं श्रीमती प्रेमा जालान ने भाग लिया।
पदाधिकारियों की बैठक : २८ मई २०२३ को क्षेत्रीय उपाध्यक्षों, मंत्रियों के साथ प्रादेशिक पदाधिकारियों की बैठक सम्मेलन सभाकक्ष में हुई, जिसमें भावी कार्यक्रमों का निर्धारण किया गया। उक्त बैठक में दिनांक ०२ जुलाई २०२३ को पटना में हीं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया तथा कार्यक्रम संयोजक का दायित्व श्री आशीष आदर्श को दिया गया।
पनशाला : अप्रैल एवं मई माह में पूर्णियाँ, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, पटना सिटी, जयनगर, झंझारपुर, बेतिया द्वारा अस्थाई एवं बखरी, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, कहलगाँव, बेतिया, खगड़िया, सिंधेश्वर स्थान, पटना नगर शाखा द्वारा स्थाई पनशाला चलाया गया। जिसमें बेतिया, मुजफ्फरपुर, मुंगेर एवं बखरी शाखा द्वारा लगातार दो माह तक जल, सत्तु पिलाया गया।
वृक्षारोपण : जून माह में लगभग ५०-६० शाखाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया।
शाखाओं का दौरा : अध्यक्ष महोदय, अमर कुमार दहलान एवं संजय मोदी द्वारा बास चकिया, हरसिद्धि एवं युगल किशोर अग्रवाल, अमर कुमार दहलान, मातादीन अग्रवाल, राज कुमार अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल (मगध प्रमंडल के दौरे में भाग लिया) हाजीपुर, बक्सर, मोहनियाँ, भभुआ, कुदरा, सासाराम, डेहरी, नवीनगर, औरंगाबाद, गया, रानीगंज, रफीगंज, जहानाबाद, नवादा तथा वारिसलीगंज शाखाओं का दौरा किया।
शाखाओं का चुनाव : पटना, पटना सिटी, बक्सर, मोहनियाँ, कुदरा, डेहरी, सिंधेश्वर स्थान, मुरलीगंज, बिहारीगंज, सुपौल, गणपतगंज, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, रोसड़ा, बिथान, बेगूसराय, बेतिया, बारा चकिया, हरसिद्धि, पुरैनी शाखा का चुनाव संपन्न हुआ।
सदस्यता : ५० आजीवन सदस्य बनाए गए।
प्रतिभा सम्मान समारोह : दिनांक २ जुलाई २०२३ को स्थानीय बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के साहू जैन हॉल में आयोजित हुआ, जिसमें १५६ छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। १०वीं, १२वीं एवं अन्य विद्याओं में उत्कृष्ट उपलब्धी के लिए ११ बच्चों को चाँदी के मेडल से सम्मानित किया गया।
कार्यकारिणी समिति की बैठक : ०९ जुलाई २०२३ को आरा शाखा के आतिथ्य में होटल आरा ग्रैंड में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकारिणी समिति की द्वितीय बैठक एवं शाहाबाद प्रमंडल का प्रमंडलीय अधिवेशन संपन्न हुआ।
स्वास्थ्य शिविर : २ जुलाई २०२३ को पटना में एवं ०९ जुलाई २०२३ को आरा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पारस अस्पताल के डाक्टरों द्वारा जाँच की गई।
शाखा : सीतामढ़ी : १. ०८ अप्रैल २०२३ को हुए चुनाव में सत्र २०२३-२५ के लिए जनार्दन प्रसाद भरतिया अध्यक्ष और राजेश कुमार सुंदरका महामंत्री बनें। **२.** प्रांत द्वारा घोषित 'शीतल जल पेय' कार्यक्रम के अंतर्गत सीतामढ़ी शहर के तीन जगह विजय शंकर चौक, सिनेमा रोड़ एम बाजार व जानकी स्थान चौक पर ०७ मई २०२३ से शुरू होकर ३० जून २०२३ तक यह जारी रहा। **३.** १०वीं एवं १२वीं के बोर्ड की परीक्षा में समाज के ८५ प्रतिशत या उससे अधिक अंकों के साथ सफल छात्र-छात्राओं के नाम, पिता के नाम व फोटो १६ जून २०२३ को समाज के समूहों में पोस्ट कर बधाई व शुभकामनाएँ दी गई।

कविता

मेरा नमन है!

सम्मेलन के स्थापक मनिषियों को मेरा नमन है!
लक्ष्य का भेदन किया जिन्होंने उन्हें मेरा नमन है!
अंग्रेजों से हमें दिलाए थे नागरिक अधिकार,
उस भगीरथ प्रयास कर्ताओं को मेरा नमन है!
पर्दा-प्रथा बाल-विवाह, दहेज आदि कुरीतियाँ थी,
उनसे निदान दिलाया उन्हें भी मेरा नमन है!
बालिकाओं में शिक्षा का घोर अभाव था,
आज हर क्षेत्र में हैं आगे उनका अभिनंदन है!
स्वाधीनता संग्राम में भी हमारी भागीदारी रही थी,
ऐसे बलिदानी भागीदारों को भी मेरा नमन है!
दिखावा और पाखंड का भी बहुत बोलबाला है
उसे भी खत्म करने का हमारा प्रयत्न है।
और भी बीमारियाँ यथा प्री-वेडिंग फोटोशूट,
समारोह में ड्रेस-कोड का आया नया प्रचलन है।

रतन लाल बंका

सड़कों पर नाचना और गाना भौंडा लगता है,
शादियों में भी मद्यपान का बढ रहा चलन है।
हमें पार पाना है इन कई कुरीतियों से भी,
आज सम्मेलन का हमारा पूरे देश में गठन है।
करोना संक्रमण में हमने काफी काम किया है,
आज भी सदावर्त के कई जगह सदन है।
उच्च शिक्षा कोष की हमने स्थापना करी है,
कोई अशिक्षित रह न जाए जिसकी लगन है।
बिना इलाज के कोई त्याग न दे तन को,
स्वास्थ्य के कोष पर भी हो रहा मनन है।
ऐसा नहीं है कि हम आज कुरीतियाँ शून्य हैं,
उनसे भी निजात पाने का हमने बना लिया मन है।
निस्वार्थ भाव से जिसने जो किया उसे नमन है!
राष्ट्र शिरोधार्य है समाज को भी मेरा नमन है!
सम्मेलन के स्थापक मनिषियों को मेरा नमन है!

शाखा समाचार

कटक, उत्कल

कटक शाखा ने किया कंबल वितरण

विगत कई वर्षों से उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, कटक शाखा की ओर से जरूरतमंदों के बीच, ठंड के मौसम में कंबल वितरण का कार्य निरंतर जारी रहा है। दानदाताओं के सहयोग से सम्मेलन की कटक शाखा टीम द्वारा कटक के जोबरा स्थित माँ छिन्नमस्ता मंदिर प्रांगण में स्थानीय गरीब बस्ती के जरूरतमंदों को ४०० कंबल वितरित किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम के आयोजन में सम्मेलन के सदस्य रामकिशन शर्मा एवं मातृशक्ति पूर्व कार्पोरेटर संगीता शर्मा का विशेष सहयोग रहा। कंबल वितरण कार्यक्रम में जोबरा अंचल के शुभेन्दु मोहंती, वनलता बेहरा, अशोक मोहंती भी कार्यक्रम में शामिल रहे और सहयोग प्रदान किया। पूर्व कार्पोरेटर संगीता शर्मा एवं स्थानीय समाजसेवी पदाधिकारियों द्वारा सम्मेलन के उपस्थित पदाधिकारियों को उत्तरीय प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कटक शाखा के अध्यक्ष दिनेश जोशी, निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश कमानी, उपाध्यक्ष पवन तायल, अशोक चौबे (चंडी भाई), दीनबंधु खांडल, विनोद कांवटिया, जनसंपर्क अधिकारी निर्मल पुर्वा उपस्थित थे।

कटक शाखा के सचिव सुभाष केडिया एवं उपाध्यक्ष राजकुमार सुल्तानिया ने जानकारी दी कि जरूरतमंदों में कंबल वितरण का कार्यक्रम आगामी दिनों में भी जारी रहेगा। इसके लिए सभी समाज-बंधुओं से सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया।

डेहरी ऑन सोन, बिहार

कन्या योजना के अंतर्गत राशि प्रदान

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा 'महाराजा अग्रसेन कन्या योजना' के अन्तर्गत युगल किशोर अग्रवाल की अध्यक्षता में श्री पवन कुमार झुनझुनवाला ने डेहरी-ऑन-सोन के सौजन्य से आरा के ओम प्रकाश शर्मा, उषा शर्मा की पुत्री प्रिया शर्मा की शादी में ५१ हजार की राशि प्रदान की। इस राशि को प्रदान करने के लिए उनके आवास करमन टोला आरा में जाकर वरीय प्रांतीय उपाध्यक्ष मातादीन अग्रवाल, शाखा सचिव विष्णु हरिपुरिया, कार्यकारिणी सदस्य मनोज खेमानी, नारायण प्रसाद सराफ द्वारा प्रदान की गई। प्रांतीय वरीय उपाध्यक्ष मातादीन अग्रवाल ने प्रिया की शादी की अग्रिम शुभकामनाएँ व आशीर्वाद दिया।

शाखा समाचार

मोतिहारी, बिहार

सम्मेलन के मोतिहारी शाखा के पदाधिकारी हुए निर्वाचित

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, मोतिहारी शाखा के तत्वाधान में रविवार को राणी सती मंदिर में एक बैठक हुई। अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष बनवारी लाल टिबरेवाल ने की। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी समाज को संस्कृति, सभ्यता परंपरा के अनुसार सामाजिक कुरीतियों पर विचार करने की जरूरत है। शाखा सचिव दीपक अग्रवाल ने विगत सत्र के शाखा गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। वही मोतिहारी शाखा के वर्ष २०२४-२६ के लिए पदाधिकारियों का निर्वाचन हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से बीरेंद्र जालान को अध्यक्ष, तारकेश्वर नाथ केडिया व मनोज बूबना को उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। साथ ही संजय कुमार लोहिया को शाखा सचिव, अनिल बोहरा को सहसचिव और सुनील गाड़ोदिया को कोषाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। मौके पर वरीय प्रांतीय उपाध्यक्ष अमर कुमार दहलान, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजय मोदी समेत कई पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

शाखा समाचार

दुर्गापुर, पश्चिम बंग

वार्षिक साधारण सभा की बैठक संपन्न

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की दुर्गापुर शाखा ने वार्षिक साधारण सभा दिनांक २८ दिसंबर को आनंदा एम्यूजमेंट पार्क में आयोजित किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय उपाध्यक्ष दिनेश सर्राफ, उप-संगठन सचिव उमेश जी खंडेलवाल, दुर्गापुर पश्चिम शाखा के सदस्यगण पदाधिकारीगण एवं सम्मेलन से जुड़ने के इच्छुक मेहमानों की अच्छी उपस्थित रही। अंत में बैठक में उपस्थित महानुभावों के प्रति आभार ज्ञापित कर सभा का समापन हुआ।

समाज रत्न से सम्मानित हुए महेश यादुका

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी 'टाइगर एनालिटिक्स' के संस्थापक और स्वत्वाधिकारी महेश यादुका को औद्योगिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान के सौजन्य से बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की स्थानीय शाखा द्वारा मारवाड़ी विवाह भवन के सभागार में एक विशेष समारोह में समाज रत्न सम्मान प्रदान किया गया। शाखा के सचिव विनोद केजरीवाल ने बताया कि इनकी कंपनी का वार्षिक टर्न ओवर लगभग ३००० करोड़ रुपये का है और कार्यरत कर्मचारियों की संख्या ५००० है। वहीं उन्होंने बताया कि इस होनहार लाल ने न सिर्फ बिहार, बल्कि पूरे विश्व में राज्य और राष्ट्र का मान बढ़ाया है। मौके पर शाखा अध्यक्ष दिनेश सर्राफ, विनय प्रकाश, अरविंद रूंगटा, कन्हैया यादुका, कमलेश अग्रवाल, मीडिया प्रभारी अशोक केडिया, सुरेश हिसारिया, रमेश सर्राफ, मुरारी लाल पंसारी, रवि चौधरी, विनोद चिरानिया, पंकज टीबरेवाल, मनोज यादुका, रवि सर्राफ, मनोज सर्राफ उपस्थित थे। सभी ने महेश यादुका की प्रशंसा की व उनकी तरक्की के लिए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

प्रतिष्ठित सी. ए. फाइनल की परीक्षा में नंदिनी अग्रवाल मुरेना एवं राधिका बेरीवाल सूरत की उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी अपने समाज के मधुर जैन, जयपुर ने पूरे राष्ट्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह हमारे समाज की प्रतिभा एवं कर्मठता का प्रतीक है। समाज को अपनी नई पीढ़ी पर गर्व है।

है बरगांव, नगाँव निवासी स्वर्गीय बिहारी लाल शर्मा एवं भगवानी देवी शर्मा के पौत्र यश शर्मा (सुपुत्र मुरारी लाल शर्मा, कार्यरत ADC, झुंझुनू जिला) को IIT खड़गपुर से संस्थान के 69वें दीक्षांत समारोह में इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन इंजिनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (ऑनर्स) की उपाधी प्राप्त की। कार्यक्रम में भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु सहित विभिन्न प्रतिष्ठित लोग भी मौजूद रहे।

उपलब्धियाँ

जोरहाट की बेटी खुशी सिंघानिया के पायलट बनने पर जागृति महिला मंच ने उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान मंच की अध्यक्ष संतोष मोदी, उपाध्यक्ष पुष्पा झंवर, सचिव ममता गिनोड़िया, कोषाध्यक्ष सीता अग्रवाल, सलाहकार विमला शर्मा व सदस्याएं उर्मिला तोषनीवाल, राधा सिंगल मौजूद थीं। चित्र में खुशी की माँ लता सिंघानिया भी परिलक्षित हैं।

NABCO बैटरीज, दिल्ली के संस्थापक शांति कुमार रामसिसरिया को 'फेडरेशन ऑफ इंडियन स्माल स्केल बैटरी असोसिएशंस द्वारा 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया है।

गौरव कोठारी ने दोहा, कतर में आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप (लंबे प्रारूप) में भारत के लिए रजत पदक जीता है।

सम्मेलन की नवगछिया शाखा के आजीवन सदस्य पुरुषोत्तम यादुका के सुपुत्र श्री महेश यादुका अमेरिका स्थित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी 'टाइगर एनालिटिक्स' के संस्थापक और स्वत्वाधिकारी हैं।

झारखंड राज्य अंतर्गत रामगढ़ के प्रतिष्ठित व्यवसायी बद्री प्रसाद अग्रवाल के सुपुत्र भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रमोद अग्रवाल को बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज का अध्यक्ष बनाया गया है। हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ !

हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

शाखा : फारबिसगंज, बिहार

बछराज राखेचा

बछराज राखेचा, फारबिसगंज के प्रसिद्ध जूट व्यवसायी स्व. हुलास चन्द राखेचा के ज्येष्ठ पुत्र हैं। आपका जन्म ०१ जनवरी १९५० में हुआ है। आपने बी. कॉम (स्नातक) की शिक्षा हासिल की है। आप शहर की एक जाने-माने शख्सियत हैं तथा शहर की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, अध्यात्मिक, शैक्षणिक, व्यवसायिक गतिविधियों के केंद्र बिंदु में रहते हैं।

आपको बिहार राज्य जूट व्यवसायिक संघ का अध्यक्ष, जैन तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष, सकल जैन समाज के संयोजक, गौशाला समिति के कार्यकारिणी सदस्य, सिविल सोसाइटी एवं दधिची देहदान जिला समिति के संरक्षक होने के साथ-साथ पिछले तीन दशकों से रेलवे की राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं प्रभागीय स्तर की परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहने का गौरव प्राप्त है। श्री राखेचा निस्वार्थ भाव से समाज कल्याण की सेवा में हमेशा तत्पर रहने वाले एक मृदुभाषी एवं निर्विवाद व्यक्तित्व के रूप में समाज में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं।

डिब्रूगढ़, पूर्वोत्तर

दिवाली मिलन में कार्यक्रमों की धूम

मारवाड़ी सम्मेलन, डिब्रूगढ़ शाखा ने १४ नवंबर को श्री अग्रसेन मिलन मंदिर में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया। इसका शुभारंभ समाज-बंधु श्यामसुंदर देवड़ा, आत्माराम विरमीवाल, विश्वनाथ गाड़ोदिया, जेठमल बंग, महावीर प्रसाद जैन (केसी) एवं सीए ज्योति प्रसाद कनोई ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान पुष्पा बुकलसरिया एवं सचिव श्री सुरेश अग्रवाल ने दीप वंदना प्रस्तुत की। शाखा अध्यक्ष कैलाश धानुका ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद रंगारंग कार्यक्रम शुरू हुआ, इसमें नन्ही बच्ची यशवी लोहिया ने गणेश वंदना, दिव्या शर्मा ने राजस्थानी गाने पर नृत्य, चहल शमान राजस्थानी व हरियाणवी नृत्य, तनिशी एवं तृप्या केजड़ीवाल ने रामकथा, नन्ही बच्ची छवि जैन ने घूमर नृत्य कर एवं दिशा शर्मा ने राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। अपने सुमधुर स्वर में पुष्पा बुकलसरिया ने दीपावली पर तथा विवेक शर्मा ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर सभी में जोश भर दिया। शाखा सदस्य पवन गाड़ोदिया ने राम जी का भजन पेश किया। नन्हे एकलव्य बेड़िया ने राम, ईशान गाड़ोदिया ने सीता तथा वेदांश बुखरेडिया ने लक्ष्मण की भूमिका तथा प्रज्ञा बेड़िया, काजल बुखरेड़िया तथा प्रियंका गाड़ोदिया ने कौशल्या, कैकई एवं सुमित्रा की भूमिका निभाई। सुरेश अग्रवाल ने स्वरचित कविता पाठ कर तथा शैलेश जैन एवं नारायण देब ने अपने गानों से लोगों का मनोरंजन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम ढंढ एवं पुष्पा बुकलसरिया ने खूबसूरती से किया। शाखा उपाध्यक्ष सुमन शर्मा ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद सदस्यों के बीच लकी ड्रॉ कराया गया। इसका संचालन ललित चमड़िया, विकास मोदी, संजय केजडीवाल एवं राजेश वर्मा ने बखूबी किया। राजकुमार अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

शाखा समाचार

लखिमपुर, पूर्वोत्तर

लखीमपुर शहर के मध्य गोपीनगर कॉलोनी स्थित जनसेवा कल्याण ट्रस्ट भवन परिसर में मारवाड़ी सम्मेलन, सम्मेलन की महिला शाखा, मारवाड़ी युवा मंच और युवा मंच की प्रगति शाखा के तत्वावधान में कई कार्यक्रमों के साथ दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। नन्हे-नन्हे बच्चों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें नृत्य के अलावा सुंदर नाटक भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में आमंत्रित मारवाड़ी सम्मेलन के मंडल 'बी' के उपाध्यक्ष छतर सिंघगिड़िया, सहायक सचिव राज कुमार सराफ, पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर तापड़िया, नंदकिशोर राठी, बलवीर शर्मा, भागीरथ लाहोटी और मारवाड़ी सम्मेलन, महिला शाखा की पूर्व अध्यक्षा सरोज गिड़िया, मोहिनी देवी राठी, उर्मिला दिनोदिया के अलावा कार्यक्रम संयोजक आरव लाखोटिया और मोहित राठी तथा प्रीति-भोज के व्यवस्थापक जुगल किशोर राठी को असम की परंपरा के अनुसार फूलाम-गामोछा से अभिनंदन किया गया। इसके बाद प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, स्नातक, परास्नातक इत्यादि के अलावा खेलकूद व अन्य किसी क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित करने वाले समाज के बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में एक-एक मर्मेटो देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष बलवान शर्मा ने हिंदी भाषा में अपना वक्तव्य रखते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष मयंक झंवर ने भी अपने विचार प्रकट किए। मारवाड़ी सम्मेलन, महिला शाखा की सचिव संगीता पटवारी और मारवाड़ी युवा मंच प्रगति शाखा की अध्यक्ष रीना जाजोदिया ने भी भाग लिया।

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

SETH M. R. JAIPURIA SCHOOLS BANARAS & HOSTEL

SETH M.R. JAIPURIA SCHOOLS
BANARAS
PARAO • BABATPUR

CBSE Affiliated • Nursery to Class XII
2 Campuses in Varanasi • 5000+ Students

मुख्य विशेषताएँ

- एसी क्लासरूम और एसी ट्रांसपोर्ट
- सर्वांगीण विकास के लिए 40+ गतिविधियाँ
- स्विमिंग पूल, शूटिंग, घुड़सवारी और तीरंदाजी भी
- संगीत, नृत्य, गिटार, की-बोर्ड और ड्रम के लिए अलग विशेष कक्ष

जिला टॉपर

- शिवांगी पांडे, दसवीं कक्षा के बोर्ड परिणाम 2022 में जिला एवं पूर्वी उ.प्र. टॉपर
- प्रांशु जैन, बोर्ड परिणाम 2023 में बारहवीं कक्षा में जिला टॉपर

विशेष मान्यता

वाराणसी का **No.1** स्कूल (2023) लर्निंग एसेसमेंट में

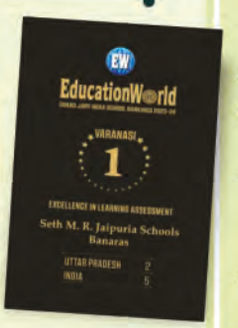

आपके घर के नजदीक विश्वस्तरीय हॉस्टल

प्रमुख सुविधाएँ

- लड़कियों एवं लड़कों के लिए अलग हॉस्टल ब्लॉक
- एयरकंडीशनर कमरे
- सुंदर आंतरिक सज्जा के साथ हवादार कमरे
- प्रत्येक छात्र के पास एक बिस्तर, अलमारी, स्टडी टेबल और चेयर सहित स्वतंत्र इकाई
- गर्ल्स हॉस्टल ब्लॉक के लिए केवल महिला वार्डन और महिला कर्मचारी
- उच्च गुणवत्ता और स्वाद के साथ घर जैसा 5 समय का शाकाहारी और पौष्टिक भोजन
- आर. ओ. का शुद्ध पेयजल
- ठंडे और गर्म पानी की आपूर्ति
- पारंपरिक सात दिवसीय बोर्डिंग कार्यक्रम - शिक्षा सहयोग और अन्य गतिविधियों से भरपूर
- उत्सव (जन्मदिन, त्यौहार आदि)
- समूह भ्रमण, मनोरंजक एवं शैक्षणिक यात्राएं
- प्रशिक्षित कोच की देखरेख में दैनिक खेल और शारीरिक फिटनेस गतिविधियाँ
- पूर्ण सुरक्षा एवं संरक्षा
- अनुशासित वातावरण
- लांड्री और टेलरिंग की व्यवस्था
- जिम, इनडोर खेल, स्टडी रूम, आधुनिक रसोई और डाइनिंग हॉल के साथ मिनी लाइब्रेरी
- जीवन कौशल एवं व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण
- चौबीस घण्टे चिकित्सा सुविधाओं के साथ
- वेलनेस सेंटर
- प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा सफाई एवं हाउसकीपिंग
- 9 राज्यों एवं नेपाल व भूटान के 300 से अधिक छात्र-छात्राओं की शिक्षा जारी

बाबतपुर कैंपस में कक्षा III से XII हेतु छात्रावास सुविधा उपलब्ध

दिसंबर 2023 में, हमारे कैंपस के बच्चे माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मिलते हुए एवं प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री (उ.प्र.) श्री योगी आदित्य नाथ के साथ

Shaping Future...
Creating Champions ...

BABATPUR CAMPUS
NEAR AIRPORT, SISWA, VARANASI
Contact : **75 1802 1801/02**
Visit our Website
Another Campus in the city at Parao for Day Scholars

गुवाहाटी, पूर्वोत्तर

गुवाहाटी शाखा की काव्य प्रतियोगिता संपन्न

१८ दिसंबर को छत्रीबाड़ी स्थित लायंस अस्पताल के सभागार में मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की ओर से आयोजित भाषण व काव्य प्रतियोगिता का ग्रांड फिनाले संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उद्योगपति प्रदीप भड़ेच, विशिष्ट अतिथि ललित धानुका व प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश चंद काबरा ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान गुवाहाटी शाखाध्यक्ष शंकर बिड़ला, सचिव अशोक सेठिया, कोषाध्यक्ष सूरज सिंघानिया, कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र लड्ढा व मनोज चांडक उपस्थित थे। भाषण प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'बढ़ते तलाक के कारण व निवारण' तथा 'बिखरते संयुक्त परिवार' था। भाषण प्रतियोगिता में रमेश चांडक व पूजा जैन ने निर्णायक के रूप में निर्णय सुनाते हुए मधु महेश्वरी को प्रथम, सरिता दुगड़ को द्वितीय और संध्या कोठारी को तृतीय पुरस्कार का विजेता घोषित किया।

काव्य पाठ के निर्णायक डॉ. अनूप शब्द, डॉ. दिनेश त्रिपाठी और प्रो. दिलीप कुमार मेधी ने अपना निर्णय सुनाते हुए प्रज्ञा शर्मा को प्रथम, सौमित्रम को द्वितीय, प्रियंका जैन को तृतीय के अलावा प्रेम कुमार व तुलसी छेत्री को सांत्वना पुरस्कार दिया। गुवाहाटी शाखा के एक निर्णय के अनुसार सोशल मीडिया में सर्वाधिक व्यू व लाइक्स की विजेता तारा सेठिया को भी पुरस्कृत किया गया। प्रचार प्रसार मंत्री नरेंद्र सोनी ने बताया कि कार्यक्रम में सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया, प्रांतीय मुख्यालय उपाध्यक्ष रमेश चांडक, प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला, गुवाहाटी शाखा उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका, कामरूप शाखा के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता के अलावा गुवाहाटी शाखा के कार्यकारिणी सदस्य विकास जैन, विनोद अग्रवाल, प्रदीप पाटनी, गौरव सिवोटिया, माखन अग्रवाल, अभिषेक केजरीवाल, विनोद जिंदल, मनोज लुंडिया, विकास अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काईं आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

कटनी, मध्य प्रदेश

कटनी शाखा का गठन

२६ नवंबर २०२३ को मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष विजय कुमार सकलेचा एवं महामंत्री श्यामसुन्दर माहेश्वरी ने नई शाखा कटनी का गठन किया। इस मौके पर सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार केडिया व राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कटनी शाखा के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में शरद सरावगी और उपाध्यक्ष किशन शर्मा एवं अजय खंडेलवाल, महामंत्री अजय सरावगी, सहसचिव गोविंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गोपाल गट्टानी, प्रचारमंत्री नीरज गोयल को शपथ ग्रहण कराकर शाखा संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नवगठित कटनी शाखा को राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेश जालान एवं अखिल भारतीय समिति के सदस्य राजेश बजाज ने उपहार स्वरूप ब्लड प्रेशर और शुगर जाँचने की मशीनें प्रदान कीं। तत्पश्चात दीपावली मिलन महोत्सव एवं वरिष्ठ समाजसेवियों के सम्मान का आयोजन हुआ। दीपावली मिलन महोत्सव में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. एस. के. चांडक, डॉ. एस. एन. खंडेलवाल एवं समाजसेवी मुरलीधर बजाज का शरद सरावगी ने सभी का सम्मान किया।

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कटनी शाखाध्यक्ष शरद सरावगी ने उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर यूवा मंच संपत गट्टानी, विशेष सहयोगी नारायण बजाज, कार्यकारिणी सदस्यों में राजस्थान ट्रस्ट कमेटी, राजस्थानी मारवाड़ी समाज, राजस्थानी ब्राह्मण समाज, खंडेलवाल समाज, माहेश्वरी मंडल, मारवाड़ी युवा मंच, सभी मारवाड़ी इकाई एवं विनोद माहेश्वरी, सुरेश अग्रवाल, दीपक सरावगी, विजय गड़ोदिया, अजय खंडेलवाल, राजू अग्रवाल, नारायण अग्रवाल, मोहन अग्रवाल सहित समाज के अनेक बंधु-बांधव उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन मधु शर्मा ने किया।

शाखा समाचार

साकची, झारखंड

मायड़ भाषा के बढ़ावा हेतु मारवाड़ी भाषा में प्रतियोगिता आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा द्वारा २६ दिसंबर को निक्को पार्क, साकची में शाखा अध्यक्ष सुरेश कुमार काँवटिया एवं महामंत्री अभिषेक अग्रवाल गोल्डी के नेतृत्व में समाज-बंधुओं के साथ सामूहिक पिकनिक का आयोजन किया गया।

मायड़ भाषा को बढ़ावा देने के लिए मारवाड़ी भाषा में प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। साथ ही खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने भाग लिया और आनंद उठाया। पिकनिक में करीब २५०० समाज के गणमान्य व्यक्तियों, अभिभावकों, शाखा के सम्मानित सदस्यों, नारी शक्ति, युवा शक्ति, बच्चों ने भाग लिया। पिकनिक में बीजू चौधरी, ओम प्रकाश रिंगसिया, संतोष अग्रवाल, संदीप मुरारका, सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष विजय आनंद मुनका, अशोक भालोटिया, अशोक चौधरी, निर्मल काबरा, नरेश मोदी, अशोक गुप्ता, संजय देबूका, शंकर सिंघल, राजू चंदूका, मानव केडीया, रमेश चंद्र मुनका, राजीव अग्रवाल, एन के जैन, लालचंद अग्रवाल, मोनू अग्रवाल, अंकित अग्रवाल गोलू, ओमी चंदूका, सुरेश खेमका, सुशील बंसल, प्रदीप देबूका, प्रदीप काबरा, अशोक मोदी, अरुण गुप्ता, दीपक पारीक, राजेश लड्ढा, दीपक अग्रवाल, लाल जोशी, संतु खंडेलवाल, मुकेश देबूका, अशोक संघी, मनोज मुनका, भोला चौधरी समेत समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति, समाज-बंधु उपस्थित थे।

साकची शाखा से आजीवन सदस्य सांवरमल एवं सम्मानित सदस्यों को 'समाज-रत्न' की उपाधि से सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त प्रतिभागी को १० ग्राम और ५ ग्राम का चाँदी का सिक्का देकर प्रोत्साहित किया गया।

शाखाध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष सन्नी संघी ने संजय देबूका, शंकर सिंघल, राजू चंदूका, महेन्द्र मोदी, अशोक गुप्ता, अशोक चौधरी एवं कार्यक्रम संयोजकों बजरंग अग्रवाल, बबलू अग्रवाल, निर्मल पटवारी, ऋषभ चेतानी, गौरव अग्रवाल, कुशल गनेड़ीवाल, अंजू चेतानी, मीना अग्रवाल, वर्षा चौधरी, रेखा बुटीक, सीमा जवानपुरिया आदि को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

गिरिडीह, झारखंड

निर्धन एवं वृद्ध में कंबल, तिलकुट का वितरण

गिरिडीह जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा गाँव के स्कूल में २०० निर्धन एवं वृद्ध व्यक्तियों के बीच कंबल और तिलकुट, बिस्कुट का वितरण किया गया। साथ ही स्कूल के २५० बच्चों के बीच Cello कंपनी के वाटर बोतल का वितरण किया गया।

सूरत, गुजरात

२५१ जोड़ों का सामूहिक विवाह

सूरत के सरोली में आयोजित २५१ जोड़ों के शुभ विवाह में १५ दिसंबर २०२३ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, सूरत जिला इकाई द्वारा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८९वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य पर सम्मेलन के सूरत जिला ईकाई अध्यक्ष सुशील अग्रवाल ने सभी जोड़ों को शुभकामना संदेश पत्र एवं तुलसी जी का पौधा भेंट कर सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर सम्मेलन के महेंद्र जैन, राजेंद्र अग्रवाल, सुशील सरावगी एवं अन्य कई गण्यमान सदस्य उपस्थित रहे।

सूरत, गुजरात

वृक्षारोपण कर ८९वें स्थापना दिवस का पालन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८९वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में पूर्व दिन २४ दिसंबर को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं सूरत जिला इकाई द्वारा SMC प्लॉटके सामने वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी उपस्थित सदस्यों ने मिलकर ८९ पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष गोकुल बजाज, जिला अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, महामंत्री हेमंत गर्ग, सूर्यकांत अग्रवाल, महेंद्र जैन, सुरेश अग्रवाल गिरनार, विमल गर्ग, राजेश सिंह, रूद्र प्रकाश अग्रवाल, कमल मित्तल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की व्यवस्था एवं संचालन सूर्यकांत अग्रवाल द्वारा किया गया।

शाखा समाचार

बेंगलुरु, कर्नाटक

परिचय सम्मेलन में शामिल हुए १०५ उम्मीदवार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, बेंगलुरु शाखा द्वारा 'मुझसे शादी करोगे' नामक 'अपने मारवाड़ियों का विवाह परिचय सम्मेलन' का आयोजन गोड़वाड़ भवन में किया। बेंगलुरु शाखा अध्यक्ष अरुण खेमका ने उपस्थित सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात उपस्थित उम्मीदवारों ने क्रमवार तरीके से अपना-अपना परिचय दिया। इस वैवाहिक परिचय सम्मेलन में ४० महिलाएँ व ६५ पुरुष सहित देश भर से आए कुल १०५ अविवाहित उम्मीदवारों ने भाग लिया। इस मौके पर गोड़वाड़ भवन के अध्यक्ष कुमारपाल सिसोदिया ने सम्मेलन द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में और भी ऐसे कार्यक्रम साथ मिलकर करने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष अरुण खेमका, सचिव पंकज जालान, कोषाध्यक्ष प्रिंस जैन, प्रांतीय अध्यक्ष रमाकांत सराफ सहित अनेक वरिष्ठ सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया।

विवाह समिति के संचालक सदस्य सीताराम अग्रवाल, रमेश टिबरेवाल और गंगाधर मोर के देखरेख में कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली गई। विवाह कमेटी के संयोजक सदस्य मनीष अग्रवाल, गोपाल कुमार और स्नेह कुमार जाजू के नेतृत्व में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में शाखा के अनेक कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। पंकज जालान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

बेंगलुरु

प्रेशर कूकर एवं अन्नदान का आयोजन

मकर संक्रांति के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, बेंगलुरु शाखा की अध्यक्ष माया अग्रवाल, सचिव शालिनी अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया के नेतृत्व तथा कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रमाकांत सराफ व महामंत्री शिव कुमार टेकरिवाल के मार्गदर्शन में १२ जनवरी को श्री चैतन्या ओल्ड एज होम में प्रेशर कूकर एवं अन्नदान का आयोजन हुआ।

शाखा समाचार

कानपुर, उत्तर प्रदेश

बच्चों में स्वेटर का वितरण

मारवाड़ी सम्मेलन, कानपुर शाखा द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, दामोदर नगर के प्रांगण में संस्कारशाला के बस्ती क्षेत्र के लगभग १०० बच्चों को स्वेटर वितरित किया गया। अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल करने के लिए ऐसी सेवा करते रहना चाहिए। महामंत्री प्रदीप केडिया ने कहा बच्चों के लिए कुछ करके हमलोगों को सुकून प्राप्त होता है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालकृष्ण देवड़ा ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष भी हमने लोगों को इसी प्रकार से स्वेटर वितरित किया था। कोषाध्यक्ष महेंद्र लडिया ने बताया कि यशोदा नगर के स्कूल में भी संस्कारशाला चलती है और उसमें भी हम लोग स्वेटर वितरण करेंगे। उपाध्यक्ष आदित्य पोद्दार जी ने बताया कि ये बच्चे कुछ बनते हैं तो हम लोगों को फक्र महसूस होगा। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य रत्नेश अवस्थी उपस्थित रहे। विपुल एवं उनकी धर्मपत्नी रूपल का सहयोग सराहनीय रहा। मीडिया प्रभारी विनीता अग्रवाल ने बताया कि संस्कारशाला नि:शुल्क चलाई जाती है। समाजसेवी सुरभि भी मौके पर मौजूद रहीं। साथ ही निर्मल, विमल, दिग्विजय सिंह, मणिमला भी उपस्थित रहीं।

कटनी, मध्यप्रदेश

भक्तों में प्रसाद का वितरण

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, कटनी शाखा के तत्वाधान में शरद पूर्णिमा के अवसर पर आचार्य भगवंत १०८ श्री विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में आचार्य भगवंत के चित्र का अनावरण कर उनके सामने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। लगभग १५०० लोगों ने खीर का प्रसाद लिया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन कट नी शाखा के संस्थापक सदस्य कृष्ण शर्मा सचिन, अजय सरावगी, दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष संजय जैन, सचिव संदीप जैन, मंत्री दीपक जैन, सदस्य शालु जैन तथा मारवाड़ी सम्मेलन के अनेक सदस्य व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष शरद सरावगी ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

अपने शहर, अपने गांव, अपनी हवेलियों को याद कर हर्ष से भर उठना सुखद

– डॉ. दुलाराम सहारण
(अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर)

२५ दिसंबर, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का स्थापना दिवस है। यह समृद्ध संस्था नब्बे साल की होने को है, और इस बार ८९वें में है। यह किसी भी संस्था के लिए सुखद क्षण होता है कि इतनी लंबी यात्रा तय करने के बाद आज उन्नत शिखर पर है। वरना संस्थाओं को स्थापित होते और अपने जीवनकाल में ही उन्हें मृतप्रायः होते देखने के अभिशप्त लोग हैं हम! इस मायने में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का कदम-दर-कदम गौरव की ओर बढ़ना किसे रोमांचित और हर्षित नहीं करता? और इस हर्ष और रोमांच में स्वयं को शामिल करते हुए मैं उन तमाम 'योद्धाओं' को बधाई संप्रेषित करना चाहता हूँ, जिन्होंने अपना समय, अपना पैसा, अपनी ऊर्जा सौंपकर इस संस्था को न केवल जिंदा रखा अपितु, आगे से आगे लेकर जाने के प्रति कृतसंकल्पित रहे हैं.... स्थापना दिवस पर मेरी अकूत शुभकामनाएँ.... बधाई... अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की मुख पत्रिका 'समाज विकास' के माध्यम से मेरा वर्षों से परिचय रहा है। राजस्थान के सपूत देश-दुनिया में क्या कर रहे हैं, कैसा सोचते हैं, और उसमें कैसा रंग भरते हैं, यह जानने का एक जरिया 'समाज विकास' ही रहा। राजस्थान और राजस्थानी भाषा के प्रति संवेदनशील होने के कारण इस संस्था से शनैः-शनैः अपनत्व भी बनता गया। उस अपनत्व में जब मेरे शहर चूरू के कुछ लोग संपर्क में आए तो वह अपनत्व और परवान चढ़ा। लगने लगा कि पश्चिम बंगाल ही नहीं, देशभर में हमारे लोग एक सुनहरा पथ प्रशस्त कर रहे हैं, और समाज को सही विकास की ओर लेकर जा रहे हैं। इसी कड़ी में सेठ रामअवतार पोद्दार, सेठ शिवकुमार लोहिया से संपर्क जुड़ा। संपर्क जुड़ने का माध्यम बना साहित्य।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन साहित्य के प्रति समर्पित संस्थान है, यह मुझ जैस साहित्य-रसिक के लिए और सुखद रहा। उसी कड़ी में वर्ष २०१६ के एक दिन तब के सम्मेलन महामंत्री शिवकुमार लोहिया (जो कि अब सम्मेलन के अध्यक्ष हैं) का समाचार पहुँचा कि सम्मेलन ने आपका चयन 'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल साहित्य पुरस्कार' के लिए किया है, आपको सम्मेलन के स्थापना दिवस २५ दिसंबर को कोलकाता आना है।

२०१६ का वह स्थापना दिवस, २०२३ के स्थापना दिवस के सिलसिले में पुनः स्मरण हो उठा। कोलकाता का खचाखच हॉल-भरा प्रवासियों का संगम और उस संगम के मंच पर तब के बिहार राज्यपाल रामनाथ कोविंद का मुख्य आतिथ्य, एक अविस्मरणीय दृश्य था। स्थापना दिवस कई संस्थाओं के देखे हैं, पर सम्मेलन का स्थापना दिवस उन सबके बीच से एक संगठित संस्था की कहानी कहता नजर आया। प्रवासियों के योगदान और उनके जड़ों से जुड़ाव की बात मंच से होना स्वाभाविक था और सम्मेलन के वक्ताओं द्वारा समाज-सुधार का संदेश संप्रेषित करना भी दायित्व, परंतु वहाँ भागीदार हरेक प्रतिनिधि का अपने राजस्थान, अपने शहर, अपने गाँव, अपनी हवेलियों को याद कर हर्ष से भर उठना निःसंदेह हम जैसों के लिए अनूठा अनुभव था। राजस्थानी भाषा में इतना प्यार, संवाद कि लगा, प्रवासी तो राजस्थान से भी आगे हैं।

राजस्थानी भाषा और उसके संवर्धन की बात 'समाज विकास' के जरिए सम्मेलन सदैव करता रहा था, और शिवकुमार लोहिया जी तो उस चिंता में सदैव घुले ही रहते थे, और आज भी घुले हैं, उसी घुलने में स्वयं को शामिल करते हुए २०१६ के सम्मेलन से बोलते हुए मैंने एक बात मंच से कही थी, उसी की दुसरावाणी करते हुए पुनः बधाई दे रहा हूँ- वह बात थी कि राजस्थानी भाषा के संवर्धन के लिए हमें बीस प्रवासी चाहिए। राजस्थानी भाषा में पत्र-पत्रिकाओं का अभाव है। जो पत्रिकाएँ छप रही हैं, वे लेखक खुद घर होमकर, अपने आटे-दाल का पैसा लगाकर छाप रहे हैं। अगर एक प्रवासी एक पत्रिका को गोद ले ले, यानी बीस प्रवासी आगे आ जाएँ तो राजस्थानी भाषा की बीस पत्रिकाएँ देखते ही देखते खड़ी, जिंदा हो जाएगी। यह न भी हो तो उद्योगपति घरानों से जुड़े उद्यमी अपने द्वारा साल भर में विभिन्न अखबारों-टीवी को दिए जाने वाले विज्ञापनों का मात्र और मात्र दो फीसदी उन राजस्थानी पत्रिकाओं को देने का प्रण कर लें तो पत्रिकाएँ दौड़ेंगी। मातृभाषा के नाम २ फीसदी, ९८ फीसदी व्यापार के नाम। और इसी नवंबर माह में यही बात मैंने श्रीडूंगरगढ़-बीकानेर में प्रवासी सोमानी परिवार द्वारा हुए एक कार्यक्रम में सम्मेलन के हवाले से फिर से कही थी। उम्मीद करता हूँ कि ८९वें स्थापना दिवस सम्मेलन में आए प्रवासी बंधु इस बात पर विचार करेंगे। ऐसा आग्रह पुनः संप्रेषित करता हूँ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की समृद्धि और बढ़े, दिन-दुनी, रात-चौगुनी उन्नति हो, शुभकामनाएँ। और हो भी क्यों नहीं, जब शिवकुमार लोहिया जैसे अनेक-अनेक योद्धा इस समाज विकास के युद्ध में संलग्न हैं, और समर्पित हैं। नेतृत्व दे रहे हैं।

मेरी अकूत शुभकामनाएँ....मोकळी-मोकळी बधाई...

स्वागत! नवयुग के नवल वर्ष!

– डॉ. दिनेश कुमार जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

सर्वप्रथम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के बृहत्तर परिवार के सभी सदस्यों एवं उनके निकटस्थों को आंग्ल नववर्ष के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं स्वस्थ-प्रसन्न-संपन्न बने रहने की मंगलकामनाएँ निवेदित करता हूँ!

भारतीय परंपराओं एवं विक्रम संवत के अनुसार हमारा नववर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि (इस वर्ष ०९ अप्रैल को) को चैत्र नवरात्रि के साथ प्रारंभ होती है। तथापि, विश्व के अधिकांश भागों में ग्रगोरियन कैलेंडर के अनुसार ०१ जनवरी से नववर्ष मनाया जाता है। पर्व-त्योहार मनाने में सौहार्द के विषय पर तो भारतीय संस्कृति अपना कोई सानी नहीं रखती, हम भाईचारे की भावना के साथ पूरे उत्साह से ०१ जनवरी का नया साल भी मनाते हैं।

नया साल मात्र एक नए कैलेंडर की शुरुआत नहीं, बल्कि बीते समय में हमने जो कुछ किया, उससे प्राप्त सफलता-असफलताओं का आंकलन कर, उनसे शिक्षा लेकर, आवश्यकतानुसार अपनी रणनीति में सुधार करने और भविष्य हेतु अपना मार्ग स्थिर करने का सुअवसर है।

आप पाएँगे कि नए साल के आगमन की खुशी में लोग पार्टियाँ-पिकनिक आदि करते हैं। लेकिन, आपने किसी को भी साल की समाप्ति का मातम मनाते हुए नही देखा होगा। इसमें यह संदेश निहित है कि जीवन के बीते दिनों की सोचकर दुखी-चिंतित होने के बजाय हमें आगे की ओर देखना है और भविष्य के अवसरों का स्वागत करना है, उनका लाभ उठाना है।

नया साल नई आशाएँ, उम्मीदें, सपने, विश्वास, विचार, योजनाएँ एवं लक्ष्य लेकर आता है। लोग अपना 'टू डू लिस्ट' बनाते हैं, नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं। मेरे एक मित्र ने हँसते हुए कहा – मैं साल के पहले हफ्ते में जिम नहीं जाता। कारण पूछने पर उन्होंने बताया – 'अमूमन लोग नए साल में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने, व्यायामादि करने का संकल्प (रिसोल्व) लेते हैं और शुरुआती दिनों में तत्परता दिखाते हैं, व्यायामशालाओं में भीड़ की स्थिति हो जाती है। लेकिन, बीतते दिनों के साथ उनकी प्राथमिकताओं में परिवर्तन आने लगता है।' आशय यह है कि कोई भी लक्ष्य हो, उसे प्राप्त करने के लिए सतत, ईमानदार प्रयासों की जरूरत होती है। उद्यम और अध्यवसाय का कोई विकल्प नहीं है – **उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः। न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।**

जनवरी माह की २६ तारीख को हम अपने गणतंत्र दिवस की ७४वीं वर्षगाँठ मनाएँगे, हार्दिक बधाइयाँ! १९५० में इसी दिन हमारे पूर्वजों ने अपना संविधान लागू किया और एक दूरदर्शी, विवेकपूर्ण निर्णय लेते हुए गणतांत्रिक शासन प्रणाली की व्यवस्था की। इन ७४ सालों के गणतंत्र में हमने औसत उम्र, सकल घरेलू उत्पाद, प्रति व्यक्ति आय, खाद्यान्न-आत्मनिर्भरता, ढाँचागत विकास (इंफ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट), सैन्यशक्ति आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। तथापि, अभी बहुत कुछ करना बाकी है। विकास के हमारे कार्यक्रमों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक अभी पूरी तरह नहीं पहुँचा है, अमीरों और गरीबों के बीच की खाई अभी भी बहुत गहरी है। इस विषय पर हमारे प्रयासों को गति की आवश्यकता है।

राजनीतिक परिदृश्य में शुचिता की कमी भी आज एक ज्वलंत प्रश्न है। राजनीति में भ्रष्टाचार को अब स्वाभाविक माना जाने लगा है, यह अत्यंत चिंताजनक है। आवश्यक है कि साफ-सुथरी छवि के लोग राजनीतिक प्रक्रिया और प्रतिनिधित्व का अहम हिस्सा बनें। इसके लिए आम मतदाता, जागरूक नागरिक और राजनीतिक दल सभी को अपनी भूमिका निभानी पड़ेगी, तभी हमारी राजनीतिक व्यवस्था वांछित विश्वसनीयता प्राप्त कर सकेगी।

इस माह हम अपने दो महान राष्ट्रप्रणेताओं **स्वामी विवेकानंद** (१२ जनवरी १८६३ - ०४ जुलाई १९०२) और **नेताजी सुभाष चन्द्र बोस** (२३ जनवरी १८९७ - १८ अगस्त १९४५) की जयंतियाँ मनाते हैं। स्वामी जी ने अपनी आध्यात्मिक चेतना और वैदिक ज्ञान के बल, अत्यंत अल्प जीवनकाल के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अमिट छाप छोड़ी तो नेताजी ने अपने पराक्रम और साहस से राष्ट्रीय चेतना जागृत की और मातृभूमि को अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। चिरप्रेरणापुरज इन दोनों विभूतियों को कोटिशः नमन!

जैसा आप सब जानते हैं, देश के कई राज्यों में पिछले कुछ सप्ताहों में कोरोना के नए प्रकार (वेरियेंट) के केस मिले हैं और कई लोगों को इससे जान भी गँवानी पड़ी है। पिछले तीन वर्षों में कोरोना-काल के दौरान सम्मेलन ने विभिन्न स्तरों पर पूरे राष्ट्र में इससे संबंधित सेवाकार्यों में और जागरूकता बढ़ाने हेतु अथक प्रयास किए हैं। वर्तमान परिस्थितियों के आलोक में भी सजग-सतर्क रहने और आवश्यक एहतियात बरतने की जरूरत है।

एक बार पुनः आप सबको नववर्ष, आस्था के पवित्र पर्व मकर संक्रांति, राष्ट्रपर्व गणतंत्र दिवस की बधाइयाँ और शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए, कविवर सोहनलाल द्विवेदी को उद्धृत करना चाहूँगा –

स्वागत! जीवन के नवल वर्ष, आओ नूतन निर्माण लिए,
इस महाजागरण के युग में, जाग्रत जीवन अभिमान लिए।
दीनों, दुखियों का त्राण लिए, मानवता का कल्याण लिए,
स्वागत! नवयुग के नवल वर्ष, तुम आओ स्वर्ण-बिहान लिए।

एक वो पत्ता

एक वो पत्ता जिसके बगैर खाना कंपलीट नहीं हो सकता, लेकिन जिसे खाते ही कटोरी से बाहर का रास्ता अक्सर दिखा दिया जाता है, जानते हैं कि वो कौन सा पत्ता है?

जी हाँ वो है करी पत्ता।

जानिए, कैसे लिवर की कमजोरी हो या त्वचा का इंफेक्शन...

करी पत्ते के सेवन से कैसे ऐसी बीमारियाँ छू-मंतर हो जाती हैं...।।

जानिए वो ९ अद्भुत फायदे, जो करी पत्तों से होते हैं...

(१) करी पत्ते में मौजूद फाइबर इंसुलिन को प्रभावित करके ब्लड शुगर लेवल को कम करता है। (२) यह पाचन क्रिया को भी सही रखता है। (३) इससे वजन बढ़ने का खतरा कम होता है। (४) लिवर कमजोर होने पर करी पत्ता फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ए और सी लिवर को दुरूस्त करता है। (५) यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। (६) रक्त में गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ाकर दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाता है। (७) कब्ज हो तो इसका सेवन करें। (८) एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुणों से भरपूर होने के कारण यह त्वचा के लिए गुणकारी है। (९) त्वचा में इंफेक्शन होने पर इससे लाभ होता है।

हाई बीपी और लो बीपी का उपचार...

प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार हाई बीपी की बीमारी ठीक करने के लिए जो घर में उपलब्ध है, जिन्हें आप लेकर निरोग रह सकते हैं।

'दालचीनी' : जो मसाले के रूप में उपयोग होता है, उसे आप पत्थर पर पीसकर पावडर बनाके आधा चम्मच रोज सुबह खाली पेट गरम पानी के साथ खाइए; अगर थोडा खर्च कर सकते हैं तो "दालचीनी" को "शहद" के साथ लीजिए (आधा चम्मच शहद और आधा चम्मच दालचीनी) गरम पानी के साथ, ये हाई बीपी के लिए बहुत अच्छी दवा है।

मेथी : 'मेथी दाना' ले सकते हैं, पर दोनों में से कोई एक। मेथी दाना आधा चम्मच लीजिए। एक ग्लास गरम पानी में और रात को भिगो दीजिए, रात भर पड़ा रहने दीजिए पानी में और सुबह उठकर पानी को पी लीजिए और मेथी दानें का चबा के खा लीजिए। यह बहुत जल्दी आपके हाई बीपी को कम कर देगा, डेढ़ से दो महीने में एकदम स्वाभाविक कर देगा।

अर्जुन छाल : तीसरा तो कमाल का है हाई बीपी के लिए, वो है अर्जुन की छाल। अर्जुन एक वृक्ष होता है। उसकी छाल को धुप में सुखाकर पत्थर पर पीसकर इसका पावडर बना लीजिए। आधा चम्मच पावडर, आधा ग्लास गरम पानी में मिलाकर उबाल लें और खूब उबालने के बाद इसको चाय की तरह पी लें। यह हाई बीपी को ठीक करेगा, कोलेस्ट्रोल को ठीक करेगा, ट्राईग्लिसाराइड को ठीक करेगा, मोटापा कम करता है, हार्ट में आरट्रीज़ में अगर कोई ब्लॉकेज है तो वो ब्लॉकेज को भी निकाल देती है ये अर्जुन की छाल।

डाक्टर अक्सर ये कहते है न... कि आपका दिल कमजोर है; अगर दिल कमजोर है तो आप जरूर अर्जुन की छाल लीजिए वो भी हर दिन, दिल बहुत मजबूत हो जाएगा आपका; आपका ESR ठीक होगा, Ejection Fraction मतलब खून फेंकने की ताकत भी ठीक हो जाएगी। अर्जुन की छाल का प्रयोग सर्वोत्तम है।

लौकी : एक है हमारे घर में लौकी का रस। एक कप लौकी का रस रोज पीना सबेरे खाली पेट, नास्ता करने से एक घंटे पहले बहुत लाभप्रद है।

सर्दियों में अमृत है गोंद...

ठंड के मौसम में गोंद के सेवन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह शरीर में आवश्यक गर्मी बनाए रखता है। सुबह के समय इसका सेवन फायदेमंद है।

सर्दियों में गोंद का सेवन दिमागी तरावट और जोड़ों में दर्द व जोड़ों की अन्य समस्याओं के लिए काफी फायदेमंद होता है। रोजाना सुबह गोंद के लड्डू के साथ दूध का सेवन करेंगे तो आप बीमार पड़ने से बच जाएँगे, क्योंकि इससे आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा होगा।

गर्भवती महिलाओं के लिए इसका सेवन फायदेमंद होता है। इस समय यह रीढ़ की हड्डी को मजबूती के लिए जरूरी है और माँ का दूध बढ़ाने में लाभकारी होता है।

यह हड्डियाँ मजबूत करता है और मांसपेशियों को मजबूत कर उन्हें लचीला बनाता है। खास तौर से रीढ़ की हड्डी के लिए इसका सेवन बेहद फायदेमंद है।

रोजाना भुनी हुई गोंद का सेवन करना हार्ट अटैक के खतरे को कम करता हैं। हृदय संबंधी अन्य रोगों के लिए भी यह फायदेमंद है।

कमजोरी को दूर करने के लिए भी गोंद बेहद लाभदायक है। यह थकान, चक्कर आना और माइग्रेन जैसी समस्याओं को भी दूर करता है।

कब्ज के मरीजों के लिए गोंद का सेवन मददगार साबित होता है। दिन में १ बार इसका सेवन आपकी इस समस्या को दूर कर सकता है।

महिलाओं में पीरियड्स संबंधी समस्याओं, डिलवरी के बाद होने वाली कमजोरी, ल्यूकोरिया और अन्य समस्याओं को भी यह ठीक करता है।

शरीर में खून की कमी को पूरा करने के लिए भी गोंद के लड्डू या पंजीरी का सेवन किया जाता है।

सर्दियों में आँवले की चटनी खाने के फायदे

इम्यूनिटी होती है बूस्ट : सर्दियों के मौसम में इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए आँवला की चटनी का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि आँवला की चटनी में विटामिन सी की प्रचूर मात्रा पाई जाती है, जो इम्यूनिटी को बूस्ट (Boost) करता है। जिससे आप वायरस और बैक्टीरिया से सुरक्षित रह सकते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद : डायबिटीज (Diabetes) के मरीजों के लिए आँवला की चटनी का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि आंवला की चटनी फाइबर से भरपूर होती है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है।

स्किन के लिए फायदेमंद : सर्दियों के मौसम में स्किन (Skin) से जुड़ी कई समस्याएँ हो सकती हैं। लेकिन, सर्दियों में अगर आप आँवला की चटनी का सेवन करते हैं तो इसमें मौजूद विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने में मदद करता है।

बालों के लिए फायदेमंद : सर्दियों के मौसम में बाल झड़ने की समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। लेकिन, सर्दियों में अगर आप आँवला की चट नी का सेवन करते हैं, तो इसमें मौजूद तत्व बालों को घना और मजबूत (Strong and thick hair) बनाता है। साथ ही इसके सेवन से बाल झड़ने की समस्या भी कम होती है।

पाचन तंत्र हता है मजबूत : सर्दियों के मौसम में पाचन (Digestion) से जुड़ी कई समस्याएँ हो सकती है। लेकिन, सर्दियों में अगर आप अपनी डाइट में आँवला की चटनी को शामिल करते हैं, तो इससे पाचन क्रिया में सुधार होता है और पाचन से जुड़ी समस्याएँ भी दूर होती हैं।

नोटः- यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है।

– डॉ. दर्शन बांगिया

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH

Your trusted
WEALTH
PARTNER

Our Core
Values

- Profit with principles
- Unbiased advice
- Relations over generations
- Employee centricity

What we Do
Our Services

A 360 degree approach to financial services embodied in a comprehensive platform. Our services include - Wealth Management, Fixed Income Products, Broking (Equity and Currency), Loan Syndication, Insurance Broking, Investment Banking, Trade Finance and Commodity Broking.

CALL FOR MORE INFO
90076 32552

New Delhi | Mumbai | Pune | Kolkata
Ranchi | Bangalore | Chennai | Ahmedabad

/ AumCap
www.aumcap.com
aumcares@aumcap.com

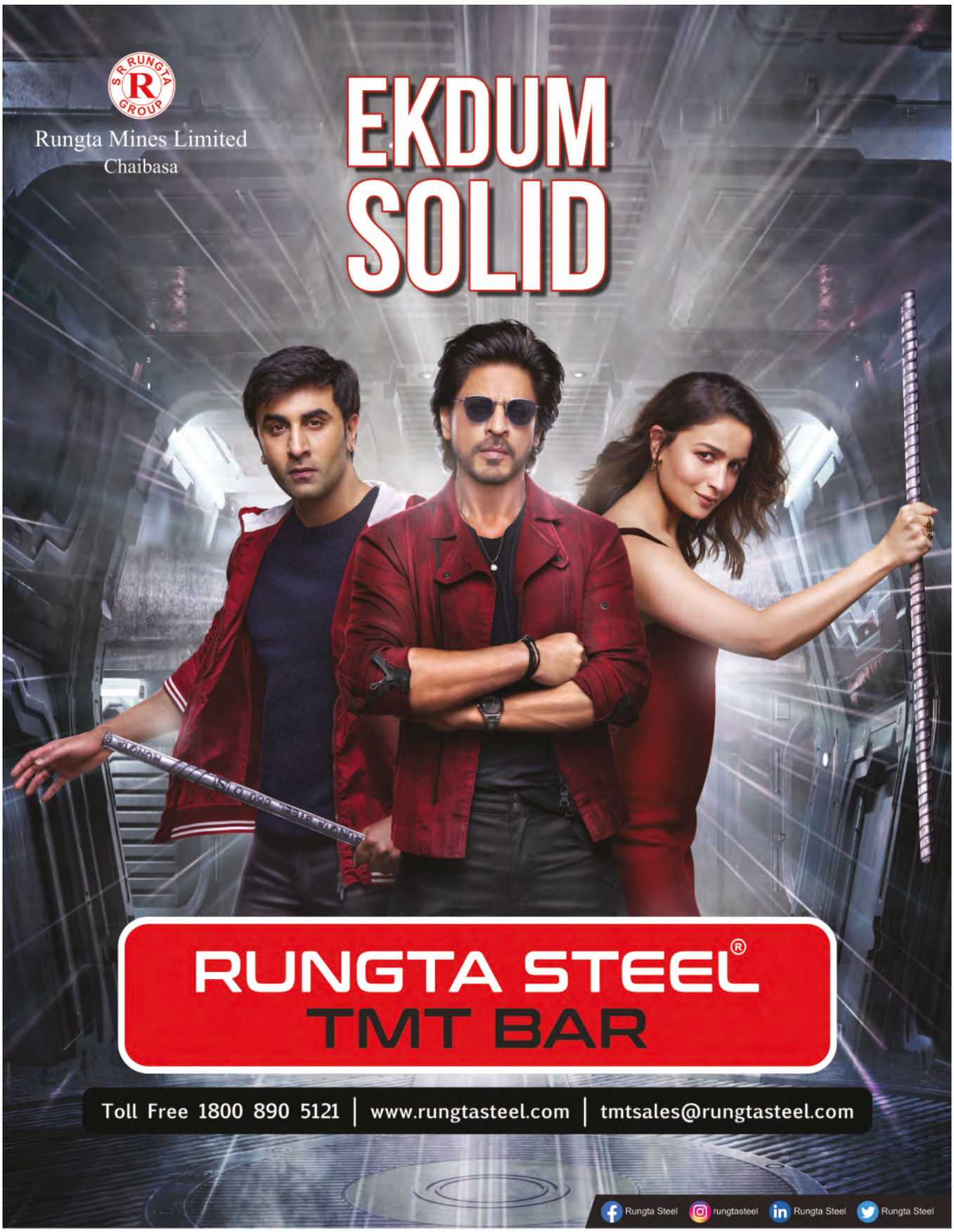

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th January, 2024
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com